सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 139 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 03 मार्च 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ बजट 2025 : वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने पेश किया प्रदेश का 25 वां बजट, कई बड़ी घोषणाएं

रायपुर और दुर्ग के बीच चलेगी मेट्रो रेल

महतारी वंदन योजना के लिए 5500 करोड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ का 25वां बजट वित्त मंत्री ओपी चौधरी विधानसभा में पेश किया। बीते वर्ष वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने ज्ञान (GYAN) पर आधारित बजट पेश किया था। इस साल उन्होंने बजट को गति (GATI) थीम पर पेश किया। गति मतलब G का अर्थ गुड गवर्नेंस, A अर्थ एक्सलेरेटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, T का अर्थ टेक्नोलॉजी और I का मतलब इंडस्ट्रीयल ग्रोथ से है। वित्तमंत्री ने इन चार बिंदुओं पर अपना बजट पेश किया। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने एक लाख 65 हजार से ज्यादा का बजट प्रस्तुत किया जो कि पिछले बजट की तुलना में ज्यादा है। बजट पेश करते हुए वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने कई बड़ी घोषणाएं की। कुछ नई योजनाओं की घोषणा के साथ ही वित्तमंत्री ने राज्य में रेल व रोड नेटवर्क को बढ़ाने की बात की। उन्होंने रायपुर से दुर्ग के बीच मेट्रो रेल योजना की घोषणा की और इसके सर्वे के लिए पांच करोड़ के बजट का प्रावधान किया है। वित्तमंत्री की घोषणा से अब रायपुर से दुर्ग के बीच मेट्रो रेल की उम्मीद जगी है। इसके साथ ही ओपी चौधरी ने बताया कि महतारी वंदन योजना के लिए पहले 3000 करोड़ का प्रावधान रखा गया था। इस बार 5 हजार 500 करोड़ का प्रावधान रखा गया है।

बजट भाषण प्रस्तुत करते हुए वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि इस साल का बजट पिछले बजट की निरंतरता में एक और बड़ा कदम होगा। चौधरी ने कहा कि 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़'का निर्माण करना है। इस दिशा में यह बजट नीतिगत सुधारों, आर्थिक सशक्तिकरण और राज्य के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।सरकार के इमानदार प्रयासों से जनता का मिल रहा आशीर्वाद, छत्तीसगढ़ की जनता ने भरोसा दिखाया। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि राम राज्य की स्थापना किसी भी राज्य व्यवस्था के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात होती है। हमारी सरकार सुशासन के लिए प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है। 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी जिस तरह काम कर रहे हैं, छत्तीसगढ़ भी विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में उसी रफ्तार से आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

ओपी चौधरी ने कहा कि रायपुर में IIM, AIIMS, NIT, IIIT रायपुर में एक भी राष्ट्रीय स्तर का संस्थान नहीं था, आज रायपुर में आईआईएम भी है। एम्स भी है, एनआईटी भी है। ट्रिपल आईटी भी है। प्लास्टिक इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट भी है और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी भी है। ओपी चौधरी ने कहा कि राम मंदिर की स्थापना के बाद से ही हम छत्तीसगढ़ के भचा राम भक्तों के लिए रामलला के दर्शन के लिए विशेष योजना चला रहे हैं, जिससे अब तक 22 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन कराए जा चुके हैं। ओपी चौधरी ने कहा कि मोबाइल कनेक्टिविटी तकनीकी क्रांति की प्रेरक शक्ति है, लेकिन राज्य में ऐसे सुदूर क्षेत्र हैं, जहां आज भी दूरसंचार क्रांति से वंचित हैं। इस कमी को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस बजट में एक नई योजना का प्रावधान किया गया है। इस योजना का नाम मुख्यमंत्री मोबाइल टावर योजना होगा।

वित्तमंत्री ने पेश किया हस्तलिखित बजट

छत्तीसगढ़ विधानसभा में बजट के दौरान एक खास बात नजर आई। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने सदन में हस्तलिखित बजट पेश किया। यह पहला मौका है जब राज्य में कंप्यूटर-टाइप्ड बजट की जगह खुद वित्त मंत्री के हाथों से लिखा गया बजट सदन में प्रस्तुत किया। यह बजट 100 पृष्ठों का है, जिसे पूरी तरह हाथ से लिखा गया है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने इसे परंपराओं की ओर वापसी और मौलिकता को बढ़ावा देने का कदम बताया। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में हस्तलिखित बजट पेश करना एक अलग पहचान और ऐतिहासिक महत्व रखता है। सदन में मौजूद सभी सदस्यों को भी इसी की कापी दी गई। अब तक छत्तीसगढ़ विधानसभा में केवल कंप्यूटर-टाइप्ड बजट ही पेश किए जाते रहे हैं, लेकिन इस बार परंपरागत और अनूठे अंदाज में बजट तैयार किया गया। वित्त मंत्री ओपी चौधरी का मानना है कि इससे प्रामाणिकता और पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा।

राममंदिर में की पूजा अर्चना

बजट पेश करने से पहले ओपी चौधरी ने राम मंदिर में पूजा अर्चना की। भगवान राम को दंडवत होकर प्रणाम किया। वित्त मंत्री ओपी चौधरी लाल मखमली बैग लेकर विधानसभा पहुंचे हैं। टैबलेट से डिजिटल बजट पेश कर रहे हैं। इसके पहले वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में बजट पर हस्ताक्षर किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, मंत्री केदार कश्यप आदि उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ के बजट की खास बातें

- छत्तीसगढ़ में 6 नए फिजियोथैरेपी कॉलेज शुरू किए जाएंगे।रायपुर में नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फैशन टेक्नोलॉजी का स्थापना की जाएगी। इसके लिए 50 करोड़ का प्रावधान।
- नर्सिंग की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस बार इसी बजट में 12 अतिरिक्त नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की जाएगी। नर्सिंग कॉलेज में की संख्या 8 से बढ़कर 20 हो जाएगी।
- बलरामपुर में दंतेवाड़ा में जांजगीर चांपा जिले में बीजापुर जिले में कुरूद जयपुर नया रायपुर बैकुंठपुर कांकेर कोरबा और महासमुंद में कॉलेज बनेंगे। 34 करोड़ का प्रावधान रखा गया है।
- फिजियोथैरेपी सरकारी केवल एक फिजियोथैरेपी कॉलेज बना है। इस बजट में 6 नए फिजियोथैरेपी कॉलेज शुरू किए जाएंगे। बिलासपुर में दुर्ग में जगदलपुर में रायगढ़ में और मनेंद्रगढ़ में 6 करोड़ का प्रावधान रखा गया है।
- छत्तीसगढ़ में हवाई अड्डे के विकास के लिए 40 करोड़ रुपए का प्रावधान है, ताकि अधिकतम संख्या में उड़ानें संचालित की जा सकें।
- नगर निगम क्षेत्र के नियोजित विकास को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना की घोषणा, इसके लिए 500 करोड़ का प्रावधान किया गया है।
- आईटीआई और पॉलिटेक्निक कॉलेज को अपग्रेड किया जाएगा। 100 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। जशपुर में फुटबॉल स्टेडियम बैडमिंटन इंदौर हॉल निर्माण के लिए 5 करोड़ का प्रावधान।
- नगरी निकायों में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए 750 करोड़ का प्रावधान, अमृत मिशन पेयजल के लिए 744 करोड़ व आवास योजना के लिए 875 करोड रुपए का प्रावधान
- आईटी के माध्यम से न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए न्यायालय के कंप्यूटर कारण के लिए 37 करोड़ का प्रावधान रखा गया है।
- डिजिटल क्रॉप सर्वे के लिए 40 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। भू अभिलेख के डिजिटल कारण के लिए 48 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। वित्तीय प्रबंधन के लिए 45 करोड़ का प्रावधान रखा गया है।
- आबकारी विभाग में कमांड सेंटर स्थापित करने के लिए 3 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। जीडीपी का मूल्यांकन करने के लिए एनालिटिकल सिस्टम की स्थापना के लिए 7 करोड़ का प्रावधान रखा गया है।
- इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के लिए बजट में अलग से 5 करोड़ का प्रावधान। फूड पार्क के लिए 17 करोड़ का प्रावधान है। औद्योगिक क्षेत्र के स्थापना के लिए 23 करोड़ का प्रावधान रखा गया है।
- पीएम श्री स्कूल योजना के लिए 277 करोड़ का प्रावधान रखा गया। राष्ट्रीय जंबूरी का आयोजन के लिए 10 करोड़ का प्रावधान रखा गया
- संचालक लोक शिक्षण के नवीन भवन के निर्माण के लिए 10 करोड़, रामकृष्ण आश्रम मार्ग के लिए 10 करोड़ का प्रावधान रखा गया। विभिन्न शालाओं के निर्माण के लिए 30 करोड़ का प्रावधान रखा गया।
- सरगुजा बस्तर बलरामपुर रायगढ़ एवं जयपुर में साइंस पार्क की स्थापना के लिए 7 करोड़ 50 लाख। सरगुजा में मोबाइल साइंस लैब की स्थापना के लिए 3 करोड़ 50 लाख।
- महाविद्यालय विश्वविद्यालय में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 3 करोड़। 25 महाविद्यालय को आदर्श महाविद्यालय के रूप में स्थापित करने के लिए 75 करोड़।
- नया रायपुर में नवीन महाविद्यालय के निर्माण के लिए साढ़े 4 करोड़ का प्रावधान। 10 महाविद्यालय में छात्रावास पूरा निर्माण के लिए भी बजट प्रावधान।
- 100 एकड़ में मेडिसिटी बनाई जाएगी। कमांड सेंटर के अपग्रेड करने के लिए 40 करोड़ का प्रावधान। नया रायपुर में युवा सेवा के लिए 10 करोड़। साइंस सिटी की स्थापना के लिए 37 करोड़। नई लाइब्रेरी बनाने के लिए 30 करोड़ का प्रावधान रखा गया है।
- महतारी वंदन योजना के लिए पहले 3000 करोड़ का प्रावधान रखा गया था। इस बार 5 हजार 500 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। 3 साल में हमने 8 लाख महिला सदस्यों को लखपति दीदी योजना के तहत लखपति बनाने का लक्ष्य रखा है।
- 7 वर्किंग वूमेन हॉस्टल के लिए 79 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के लिए 5 करोड़ सखी सेंटर के लिए 20 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। वहीं नए आंगनबाड़ी के लिए 42 करोड़ का प्रावधान रखा गया है।
- माना कैंप रायपुर में दिव्यांगों के विशेष स्कूल के लिए भवन निर्माण के लिए 5 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। भारत माता वाहिनी अंतर्गत नशा मुक्ति केंद्र संचालन के लिए 10 करोड़ और थर्ड जेंडर समुदाय के लिए सामान्य आधारिक अवसरों को सुनिश्चित करने के लिए भी प्रावधान किया गया है।
- सिकल सेल स्क्रीनिंग केंद्र की स्थापना के लिए प्रथम चरण में 50 विकासखंड में 1850 करोड रुपए का प्रावधान।
- डॉ. भीमराव अंबेडकर चिकित्सालय रायपुर स्थित एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट एशिया के कार्डियोलॉजी विभाग का विस्तार किया जा रहा है।
- सरकारी अस्पतालों को हाईटेक बना रहे हैं, इसके लिए मेकाहारा में सारे 28 करोड़ की तीन एमआरआई मशीन, 26 करोड़ के 256 स्लाइस सिटी स्कैन मशीन लगाई जाएगी।
- महासमुंद चिकित्सा महाविद्यालय में 14 करोड़ की लागत से 128 सिटी स्कैन मशीन स्थापित की जाएगी। जनकपुर व रायपुर सरोना में 100 बिस्तर अस्पताल
- चार योग और प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना के लिए 13 करोड रुपए का प्रावधान किया गया। आयुर्वेदिक कॉलेज के लिए 4 करोड़ का प्रावधान
- बजट में विश्व स्तरीय मध्य भारत का सबसे बड़ा अत्यधिक इंटीग्रेटेड खाद्य औषधि प्रयोगशाला लैबोरेट्री बढ़ाने के लिए 45 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया।
- भूमि कृषि मजदूर कल्याण योजना के माध्यम से 5 लाख 65 हजार भूमिहीन मजदूरों को सालाना 10 हजार की आर्थिक सहायता दी जाएगी। योजना के लिए 600 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया।

उम्मीद टूटेगी तो अपराध ही होंगे

श्रीकंचनपथ

21 और 22 फरवरी को हुई दो घटनाओं के कारण किशोरों के हिंसक होने पर नए सिरे से चर्चा शुरू हो गई है। पुलिस से लेकर मनोवैज्ञानिक तक बाल अपराधियों, हिंसक बाल अपराधों और इसके कारणों की पड़ताल में जुट गए हैं। एनसीआरबी का डेटा और न्यायाधीशों की टिप्पणियां भी इस मामले में सामने हैं। 21 फरवरी को झारखंड में 18 लड़कों ने 3 लड़कियों से गैंगरेप किया। 22 फरवरी को मध्यप्रदेश में 17 साल के पड़ोसी ने पांच साल की बच्ची को लहूलुहान कर दिया। ये तो बहस के ट्रिगर पाइंट मात्र हैं। अपराध के आंकड़े बताते हैं कि साल 2022 में नाबालिगों ने 917 हत्याएं कीं। इसके आरोप में 1286 नाबालिग गिरफ्तार किये गये। इसी साल हत्या की 1292 कोशिशें हुईं जिसमें 2013 नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया। रेप की 1130 वारदातें हुईं जिसमें 1239 नाबालिग गिरफ्तार किये गये। इसके अलावा हिंसक यौन अपराध के 874 और शारीरिक हिंसा के 6023 मामले सामने आए जिसके आरोप में क्रमशः 1022 और 7469 नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया। इसके कारणों की भी पड़ताल हुई। घरेलू हिंसा, गरीबी से लेकर नशे के प्रवृत्ति को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया गया। पीयर प्रेशर, अवसाद, पोर्न और अश्लील फिल्मों को यौन अपराध का कारण बताया गया। गांजा और भांग का संबंध हत्या से, सूंघने वाले नशे का संबंध रेप से और अफीम जैसा नशा करने वालों का संबंध चोरी और छिनतई जैसे अपराधों से जोड़ा गया। पर ये हिंसा की इकलौती वजह नहीं हैं। पावर दिखाने और लोगों पर अपना नियंत्रण स्थापित करने के लिए भी अपराध किये जाते हैं। ज्यादातर हिंसक वारदातें, चाहे वह हत्या, हत्या का प्रयास हो या फिर रेप का, इसमें अपना आधिपत्य दिखाने की इच्छा भी शामिल होती है। दरअसल, मौजूदा समाज हिंसा को जायज ठहराने में लगा हुआ है। प्रियांश अब 19 साल का है। जब वह छोटा था तो कविताएं लिखा करता था। पर कुछ साल पहले से उसके स्वभाव में भयंकर तब्दीली देखी जाने लगी। धर्म की बातें करते हुए वह हिंसक हो जाता। घर आए मेहमानों से बहस करता। बाबर की, औरंगजेब की बातें करता। उसकी आंखों में खून दिखने लगता था। वह धर्म के लिए हथियार उठाने को उतावला था। अब आततायी उसके आदर्श थे। धार्मिक एक्टिविस्ट आराध्य बन चुके थे। अन्यान्य लोग जो खुल कर इन विषयों पर बात नहीं करते उनका भी आचरण बदलने लगा। अन्य धर्म के लोगों की दुकान से उन्होंने मटन-मछली, आलू प्याज और फल तक खरीदना बंद कर दिया। दरअसल, हमारे पास बढ़ती आबादी, उच्च शिक्षित आबादी में बढ़ती बेरोजगारी, भविष्य के प्रति असुरक्षा का भाव, दिन प्रतिदिन बढ़ती गलाकाट प्रतिस्पर्धा और पूंजी के बढ़ते दखल जैसी समस्याओं का कोई सकारात्मक हल नहीं है। इसे दबाने के लिए राजनीति ने वह हथकंडा अपनाया जो लोगों को जानवर बना देता है। पशु नहीं सोच सकते कि किसी का रोजगार छीन कर वे खुद अपराधी पैदा कर रहे हैं।

संपादकीय

पद किसी को मिलता है,अहंकार किसी का बढ़ जाता है

राजनीति में पद जिसको मिलता है, उसका अहंकार तो बढ़ता है कि हम भी अब कुछ हैं लेकिन उसके समर्थकों का अहंकार, उसके परिवार के लोगों का अहंकार ज्यादा ही बढ़ जाता है कि हमारा परिवार अब आम नहीं रहा, हमारा परिवार अब खास हो गया है। अहंकार बढ़ जाता है तो ऐसा लगता है कि हम ही सबसे बड़े हैं, कानून से बड़े हो गए हैं। कई बार इस बात का एहसास आसपास के लोग करा देते हैं कि कि तेरे परिवार के पास पावर है, तुझे कोई कुछ करने से कौन रोक सकता है। जब आसपास के लोग ही कहते हैं सड़क पर जन्मदिन मनाना कोई अपराध थोड़े ही हो,जिसके परिवार के पास पावर आ गया है,उस परिवार के सदस्य को भी लगता है कि गलत थोड़ी कह रहे हैं।

> पावर का नशा तो वैसे ही ठीक नहीं रहता है, उस पर शराब या किसी पदार्थ का नशा हो तो लगता है हम जो कुछ कर रहे हैं, सही कर रहे हैं।हम कोई अपराध थोड़े न कर रहे हैं। वह तो सबेरे पावर व किसी पदार्थ का नशा उतरने पर पता चलता है कि रात को हमसे अपराध हो गया है। ऐसा अपराध जिसके बारे में शहर को सबको मालूम है कि अब सड़क पर जन्मदिन मनाकर रास्ता जाम करना अपराध है। पैसा है,पद है, पावर है तो किसी को अपराध करने की छूट नहीं मिल जाती है, कोई कानून से बड़ा नहीं हो जाता है। बात जब सार्वजनिक हो जाती है तो पुलिस को साबित करना पड़ता है कि कानून से कोई बड़ा नही है।

आज कल सोशल मीडिया का जमाना है।कोई भी वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल देता है, कोई भी पुलिस से शिकायत कर देता है कि सड़क पर जन्म दिन मनाने के कारण रास्ता जाम हो गया और उसे घर जाने में परेशानी हुई।ऐसे छोटे-छोटे मामले का अदालत भी संज्ञान लेने लगे तो पुलिस भी ऐसे मामले को अब हल्के से नहीं ले सकती। बड़े आदमी का बेटा है, किसी राजनीतिक संगठन का जिला अध्यक्ष है, या किसी मेयर का बेटा है तो पुलिस को मजबूर होकर कार्रवाई करनी पड़ती है, गिरफ्तार करना पड़ता है। अदालत को बताना पड़ता है कि देखिए हम इस मामले को हल्के से नहीं ले रहे हैं, हमने तो कार्रवाई की है। हमने कानून को न मानने वालों को बताया है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है।

इस बार मेयर के बेटे ने साथियों के साथ सड़क पर जन्म दिन मनाया । उन्होंने भी वही गलती की जो गलती इससे पहले एक अमीर बाप के बेटे ने की थी, कांग्रेस के छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष ने की थी। सोशल मीडिया से पूरे शहर के लोगों को पता चल गया कि इस बार सड़क पर जन्म दिन मनाने की गलती मेयर के बेटे से हो गई है। सबको इंतजार था कि पुलिस क्या करती है। अच्छा हुआ पुलिस ने वही किया जो उसने पहले किया था।मेयर के बेटे व साथियों को गिरफ्तार किया और उनको अदालत से जमानत मिल गई। यह तो पता नहीं चला है कि बेटे ने अपनी गलती मानी है या नहीं लेकिन शहर की मेयर उसकी मां ने गलती मानी है कि उनके बेटे से गलती हो गई, अब ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी।

यह अच्छी बात है कि मेयर मां ने स्वीकार किया कि उसके बेटे से गलती हो गई है।अमीर बाप ने अपने बेटे की गलती नहीं स्वीकारी थी, कांग्रेस के एक संगठन के पदाधिकारी या कांग्रेस ने भी स्वीकार नहीं किया था कि उसके एक संगठन के पदाधिकारी से गलती हो गई है। अब वह दोबारा ऐसी गलती नहीं करेंगे।अक्सर ऐसा होता है कि पैसा बाप कमाता है और पैसे का घमंड बाप से ज्यादा बेटे को हो जाता है। जिला अध्यक्ष जो बनता है, उससे ज्यादा घमंड उसके मित्रों को हो जाता है।विधायक,सांसद कोई बनता है और उसके समर्थकों को लगता है वही विधायक सांसद बन गए है। विधायक,सांसद दावा नहीं करते कि वह सब काम करवा देंगे लेकिन उनके समर्थक दावा करते हैं कि ऐसा कोई काम नही जो वह नही करवा सकते।

कहते हैं न कि कलेक्टर का चपरासी भी कलेक्टर से कम नहीं होता है, चाय से ज्यादा गरम केटली होती है। ऐसा पहले भी होता रहा है, आज भी हो रहा है और आगे भी होता रहेगा।सबको मालूम है कि अहंकार तो रावण का भी नहीं रहा,सबको मालूम है कि अहंकार एक दिन बड़ा दुख देता है, शर्मिंदा करता है।फिर भी आदमी को पद,पैसा और पावर का अहंकार हो ही जाता है, लोगों को अहंकार दिख ही जाता है, लोगों को पता चल ही जाता है कि देखो पद,पैसा और पावर होता है आदमी कितना बदल जाता है। पहले जो झुककर मिलता था, वह अब कहता है कि मिलो तो झुककर मिलो।जितने ज्यादा लोग झुककर मिलते हैं उतना ही अच्छा लगता है।

कोई शहर का मेयर हो जाता है तो वह कहेगा नहीं लेकिन भीतर से चाहता जरूर है कि शहर के लोग उनका झुककर सम्मान करें। कुछ लोग मेयर के बेटे का सम्मान झुककर करते हैं तो मेयर के बेटे को भी लगता है कि मेरी मां कुछ है तो मैं भी कुछ हूं।मेयर मां ने अभी गलती स्वीकारी है। अगर बेटा इसी तरह मेरी मां कुछ है तो मैं भी कुछ हूं समझता रहा तो भविष्य में भी बेटे की गलती इसी तरह स्वीकारनी पड़ेगी। अच्छा तो यही है कि बेटे को समझा दे मेयर मां की मेयर मैं हूं, तुम कुछ नहीं हो। ऐसा न हो मां ने सालों जो मेहनत कर सम्मान पाया है, वह बेटे के कारण कुछ सालों में गवां दे।

पाकिस्तान की तरह बर्बादी की ओर बढ़ता बांग्लादेश

ललित गर्ग, लेखक, स्तंभकार

कहते है कि 'जब गीदड़ की मौत आती है तो वह शहर की तरफ भागता हैं' भले ही यह एक मुहावरा है लेकिन बांग्लादेश पर खरा उतर रहा है, इसका मतलब है कि बांग्लादेश मुसीबत रूपी पाकिस्तान से दोस्ती बढ़ा रहा है। 30 लाख बांग्लादेशी लोगों की हत्या करने वाला पाकिस्तान अब दोस्त बन गया है और हर तरह से मदद करने वाला भारत दुश्मन।

बांग्लादेश और पाकिस्तान की बढती नजदीकियां, बांग्लादेश का भारत विरोध और पाकिस्तान प्रेम इस मुल्क पर भारी पड़ सकता है और भारी पड़ रहा है। भले ही 54 सालों में पहली बार बांग्लादेश और पाकिस्तान सीधा कारोबार शुरू हुआ है। देखने वाली बात यह भी है कि पाकिस्तान और भारत के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं और व्यापार ठप्प है। ऐसे में इसका असर भारत पर नहीं पाकिस्तान पर जरूर पड़ा है और वहां की जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। बांग्लादेश के लिए भारत जो मायने रखता है, उसकी भरपाई पाकिस्तान तो कतई नहीं कर सकता है। जिस बांग्लादेश को पाकिस्तानी क्रूरता से मुक्त कराकर एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत ने तमाम कुर्बानियों के बाद जन्म दिया, उसका भारत-विरोधी रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण कहा जाएगा। भारत से पंगा बांग्लादेश को महंगा पड़ेगा।

अब अगर बांग्लादेश ने तय ही कर लिया है कि भारत से संबंध खराब करने की हर कीमत चुकाने के लिए तैयार है तो कुछ भी कहना बेमानी है। जब बांग्लादेश ने पाकिस्तान की राह पर चलने की ठान ही ली है, तो उनके दुष्परिणाम भी उसे ही भुगतने होंगे। बांग्लादेश के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं, आम जनता पर दु:खों, परेशानियों एवं समस्याओं के पहाड़ टूटने लगे हैं। वहां जैसी आंतरिक गुटबाजी, प्रशासनिक शिथिलताएं, अराजकताएं और अव्यवस्थाएं बढ़ रही हैं, उसे देखते हुए सेना प्रमुख जनरल वकार उज-जमां ने सेना की भूमिका बढ़ाने की बात कही है। उनका संकेत साफ है, यदि अंतरिम सरकार हालात को संभाल पाने में नाकाम रहती है, तो सेना मोर्चा संभालने को तैयार है। दरअसल, शेख हसीना की विदाई के साथ वहां जिस तरह से राजनीतिक अस्थिरता एवं अराजकता बढ़ी है, उसका नुकसान पूरे देश को हो रहा है। न सिर्फ निवेश पर प्रभाव पड़ा है, विदेशी संबंध भी चरमरा रहे हैं, आर्थिक गिरावट तेजी से बढ़ रही है। भारत जैसे देश के साथ सामान्य व्यापार और ढांचागत विकास संबंधी योजनाओं में भी रुकावटें पैदा हुई हैं। बांग्लादेश भारत की सदाशयता एवं उदारता के बावजूद टकराव के मूड में नजर आ रहा है, उसका अल्पसंख्यक हिन्दुओं की सुरक्षा को लेकर भी ऐसा ही रवैया है, जिस बारे में वह भले ही अब दलील दे रहा है कि हालिया बांग्लादेश में हिन्दुओं से जुड़ी हिंसक घटनाएं सांप्रदायिक नहीं बल्कि राजनीतिक कारणों से हुई हैं।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका साफ है। बांग्लादेश से हाल ही में आई रिपोर्ट चिंताजनक हैं। चल रहे राजनीतिक संकट और राज्य पुलिस की गिरावट ने अल्पसंख्यक समुदायों, खासकर हिंदुओं पर लक्षित हमलों के लिए अनुकूल स्थिति पैदा कर दी है। 1947 से, हिंदू आबादी 30 प्रतिशत से घटकर 9 प्रतिशत से भी कम हो गई है। शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद से स्थिति और खराब हो गई है, जो 2009 से सत्ता में थी। यह संकट पूर्वी पाकिस्तान और आधुनिक बांग्लादेश में हिंदुओं के प्रत्यक्ष और गुप्त नरसंहार के लंबे इतिहास को दर्शाता है। मंदिरों और पवित्र स्थलों पर 200 से अधिक कथित हमलों सहित वर्तमान हिंसा एक बड़े, निरंतर कट्टरतावादी अभियान का हिस्सा है। हालिया संकट, जो जुलाई 2024 में कथित छात्रों के विरोध प्रदर्शन से शुरू हुआ था, उसकी गहरी ऐतिहासिक जड़ें हैं और यह दशकों से बढ़ते मुस्लिम कट्टता से जुड़े तनावों को दर्शाता है।

भारत प्रारंभ से बांग्लादेश का सहयोगी एवं हितैषी रहा है, इसी कारण उसने पिछले डेढ़ दशकों में जो आर्थिक तरक्की हासिल की, छह फीसदी से अधिक दर से जीडीपी को बढ़ाया और 2026 तक विकासशील देशों के समूह में शामिल होने का सपना देखा, उन सब पर मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार संकीर्णतावादी एवं दुराग्रही सोच के कारण काली छाया मंडराने लगी है। आज कानून-व्यवस्था के सामने समस्या पैदा हो गई है, बांग्ला राष्ट्रवाद की वकालत करने वालों पर खतरा मंडरा रहा है, प्रगतिशील मुस्लिमों एवं अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं और बंगबंधु व मुक्ति संग्राम के इतिहास को मिटाने का प्रयास हो रहा है। बांग्लादेश की यह गति इसलिए हुई है, क्योंकि मोहम्मद यूनुस सरकार आम जन की अपेक्षाओं के अनुरूप चुनौतियों से लड़ पाने में नाकाम हो रही है और भारत से टकराव मोल लेने को तैयार बैठे बांग्लादेश के ऐसे हुक्मरान विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश रहे हैं एवं दोनों देशों के आपसी संबंधों को नेस्तनाबूंद कर रहे हैं। आज वहां सांविधानिक, राजनीतिक वैधता का संकट तो गहराया ही है लेकिन लोकतांत्रिक मूल्य भी धुंधला रहे हैं।

मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और अवामी लीग जैसी पार्टियों ने कभी पसंद नहीं किया और अब आमजनता का भी पूरा साथ उनको नहीं मिल रहा है। स्टूडेंट अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन के बैनर तले छात्रों ने अपना आंदोलन शुरू किया और शेख हसीना के तख्तापलट की वजह भी बना, तब उनकी मुख्य मांगों में रोजगार प्रमुख रहा, मगर यूनुस सरकार अब इस मोर्चे पर भी फिसड्डी साबित हुई है। उनकी कट्टरपंथी सोच और जिन्ना को राष्ट्रपिता बनाने जैसी पहल को देख उदारवादी छात्र खुद को छला हुआ महसूस करने लगे हैं, इस कारण विश्वविद्यालयों में हिंसा रूकने का नाम नहीं ले रही है। मोहम्मद यूनुस की अपरिपक्व राजनीतिक सोच एवं कट्टरवादी सोच के कारण ही बांग्लादेश ने भारत से दूरियां बढ़ाई है। रस्सी जल गयी पर ऐंठन नहीं गयी की स्थिति में यूनुस भूल गये कि अभी भारत में नरेन्द्र मोदी जैसे कद्दावर एवं सूझबूझ वाले विश्वनेता का शासन है, भारत से दुश्मनी कितनी भारी पड़ सकती है, पाकिस्तान की दुर्दशा से समझा जा सकता है। पाकिस्तान भारत विरोधी अभियान को लेकर बांग्लादेश पहुंचा है। मान न मान, मैं तेरा मेहमान वाली स्थिति में अस्थिर बांग्लादेश में चीन एवं पाकिस्तान जैसी तमाम बाहरी ताकतें दखल देने की इच्छुक हैं। इससे दोनों देश बांग्लादेश की जमीन से भारत को घेरना चाहते हैं, बांग्लादेश भी इन षडयंत्रकारी देशों की गिरफ्त में आ गया है और वह भारत विरोध को तीक्ष्ण करने में जुट गया है। भारत अपनी सीमाओं को अभेद्य बना रहा है तो बांग्लादेश समझौते के बावजूद बाधाएं डाल रहा है।

सीमाओं के खुले रहने से बांग्लादेश से लगातार अवैध घुसपैठ, हथियारों की तस्करी, ड्रग स्मगलिंग, नकली नोटों का कारोबार और आतंकवादी गतिविधियां लगातार हो रही हैं। विशेषत: पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिये बांग्लादेश का उपयोग कर रहा है। दरअसल, बांग्लादेश की यूनुस सरकार पाकिस्तान के इशारों पर पुराने मुद्दे उछाल कर विवाद को हवा दे रही है। निश्चित ही पाक से उसकी बढ़ती नजदीकियां के चलते ही बांग्लादेश में पाक सेना के अधिकारियों की सक्रियता देखी गई है। यूनुस सरकार ने भारत विरोधी तत्वों को न केवल हवा दी है बल्कि उनको उग्र कर दिया है। भारत की उदारता को बांग्लादेश हमारी कमजोरी न मान ले, इसलिए उसे बताना जरूरी है कि भारत से टकराव की कीमत उसे भविष्य में चुकानी पड़ सकती है। यह भी कि संबंधों में यह कसैलापन, दोगलापन एवं टकराव लंबे समय तक नहीं चल सकता। उसकी यह कटुता उसके लिये ही कालांतर में घातक एवं विनाशकारी साबित हो सकती है। वैसे इसके संकेत मिलने शुरु हो गये हैं। यह विडंबना ही है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है, लेकिन अब राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका भी भारत के साथ बांग्लादेश में सकारात्मक भूमिका निभाने का संकेत दे चुका है। यह दक्षिण एशिया की शांति व समृद्धि के लिए बहुत जरूरी है।

(ये लेखक के विचार हैं)

राहुल की विचारधारा बदली, लाइन भी अलग

हरिशंकर व्यास

राहुल गांधी 35 साल की उम्र में 2004 में सांसद बने थे। तब से यानी पिछले 20 साल से अपनी टीम बनाने की कोशिश में हैं। एक बार उन्होंने 2009 में राजकुमारों की टीम बनाई थी, सबको मंत्री बनाया था लेकिन उनमे से ज्यादातर लोग कांग्रेस छोड़ कर चले गए। परंतु उनकी इस राजनीति का नतीजा यह हुआ है कि सोनिया गांधी की टीम बनाम राहुल गांधी की टीम यानी पुराने और नए नेताओं का झगड़ा स्थायी बना।

अब जबकि कांग्रेस के ज्यादातर पुराने नेताओं का या तो निधन हो गया है या वे रिटायर है या हाशिए में चले गए है तो राहुल गांधी फिर नई टीम बना रहे हैं। इस बार उनकी विचारधारा भी बदली हुई है, राजनीतिक लाइन भी अलग है और चेहरे भी अलग हैं। उनकी राजनीति को समझाने के लिए बिहार कांग्रेस के एक बहुत पुराने नेता, जो डॉक्टर जगन्नाथ मिश्र के बहुत करीबी रहे नेता ने कहा है कि वामपंथी राजनीति देश में लगभग खत्म हो गई है, केरल के अलावा अगर वह कहीं बची है तो राहुल गांधी की टीम में बची है।

पता नहीं यह बात पूरी तरह से सही है या नहीं लेकिन इतना दिख रहा है कि वामपंथी विचारधारा से जुड़े या एनजीओ के अंदाजा में काम करने वाले युवा राहुल गांध की कोर टीम में जुड़े हैं। खुद राहुल गांधी जाति गणना कराने, आरक्षण की सीमा 50 हजार से ज्यादा करने, आबादी के अनुपात में राजनीतिक व प्रशासनिक पद देने आदि के विचार में काम कर रहे हैं। अपनी इसी समझ में वे टीम चुन रहे हैं। नेताओं की योग्यता, उनकी क्षमता, राजनीतिक अनुभव, जनता के साथ संपर्क आदि को दरकिनार करके वे उन लोगों को संगठन में आगे बढ़ा रहे हैं, जिन लोगों का विचार है कि आरक्षण की सीमा 75 फीसदी होनी चाहिए।

पार्टियों के संगठन के पद जाति व धर्म के आधार पर भरे जाने चाहिए। प्रशासनिक सेवाओं से लेकर मिस इंडिया कॉन्टेस्ट में ओबीसी, दलित, आदिवासी को आबादी के अनुपात में प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। इसी सोच में उन्होंने 11 केंद्रीय पदाधिकारियों की नियुक्ति कराई है। इनमें आठ नेता ओबीसी, दलित, आदिवासी और मुस्लिम समुदाय के हैं। हालांकि ऐसा नहीं है कि ये सभी नेता स्वाभाविक प्रक्रिया से निकल कर ऊपर तक पहुंचे हैं और किसी पूर्वाग्रह की वजह से पहले उनको जिम्मेदारी नहीं मिल रही थी। दो प्रदेशों में पिछड़ा और दलित अध्यक्ष बनाने के बाद 11 केंद्रीय पदाधिकारियों की नियुक्ति को देख कर लग रहा है कि कैसे रैंडम तरीके से नेता चुने जा सकते हैं और उन्हें जिम्मेदारी दी जा सकती है।

नई नियुक्तियों में कोई तारतम्य नहीं दिख रहा है। तेलुगू भाषी व्यक्ति को झारखंड और कन्नड़ भाषी व्यक्ति को बिहार का प्रभारी बनाने के पीछे क्या सोच हो सकती है, यह कोई नहीं बता सकता है। अब तक परदे के पीछे से काम कर रहे लोगों को घनघोर राजनीति करने वाले राज्यों में प्रभारी बना कर भेजने के पीछे भी क्या सोच है, यह कोई नहीं बता पाएगा। बरसों से इस बात की चर्चा है कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को कांग्रेस की परंपरा से निकले नेताओं को आगे लाना चाहिए। जैसे भाजपा में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रशिक्षण से निकले नेता भाजपा संगठन में रोल निभा रहे हैं। वे कितने योग्य और सक्षम हैं यह अलग बात है लेकिन कम से कम एक पृष्ठभूमि है। लेकिन कांग्रेस में एनएसयूआई की पाठशाला से निकला शायद ही कोई नेता संगठन में अहम पदों पर होगा।

राहुल गांधी ने तो एनएसयूआई यानी कांग्रेस की राजनीति की नर्सरी का ही प्रिंसिपल सीपीआई से आए कन्हैया कुमार को बना दिया है। कन्हैया एनएसयूआई के प्रभारी हैं। भाजपा में तो समझ में आ रहा है कि 50 से 55 साल के नेताओं और पहली, दूसरी बार के विधायकों, सांसदों को अहम जिम्मेदारी इसलिए दी जा रही है ताकि वे चुनौती नहीं बन सकें। कांग्रेस में तो ऐसा कोई खतरा नहीं है। नेहरू, गांधी परिवार के लिए कोई चुनौती नहीं बन सकता है। वहां आरएसएस जैसी किसी संस्था की पसंद, नापसंद का ख्याल भी नहीं रखना है। फिर क्यों मजबूत नेताओं की जगह परदे के पीछे काम करने वालों को निजी निष्ठा के आधार पर नियुक्त किया जा रहा है?

समस्या यह भी है कि राहुल गांधी, जिसको चुन देते हैं या कहीं बैठा देते हैं तो वह सुप्रीम हो जाता है। वह किसी को कुछ नहीं समझता है। दिल्ली में प्रभारी के अलावा किसी की बात नहीं सुनी जाती है। जैसे महाराष्ट्र में नाना पटोले अध्यक्ष बने तो बाकी सारे नेता हाशिए में डाल दिए गए। पटोले खुद ही सीएम दावेदार हो गए। ऐसे ही मध्य प्रदेश में पहले कमलनाथ थे और अब जीतू पटवारी हैं। छत्तीसगढ़ में जो हैं सो भूपेश बघेल हैं और हरियाणा में सब कुछ भूपेंद्र सिंह हुड्डा के हवाले था। तेलंगाना के सारे फैसले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के हवाले छोड़े गए हैं तो हिमाचल प्रदेश में सुखविंदर सिंह सुक्खू को ऐसी ताकत दी गई कि वीरभद्र सिंह का परिवार नाराज हुआ। प्रदेश अध्यक्ष या मुख्यमंत्री या प्रभारी इनके अलावा प्रदेश की राजनीति में किसी की नहीं चलती है।

कोई स्वतंत्र फीडबैक नहीं ली जाती है। अभी तक यह सिस्टम चल रहा है कि अगर प्रदेश का कोई नेता इन तीन के खिलाफ शिकायत करे तो घूम फिर कर वह शिकायत इन्हीं के पास पहुंच जाती है। राहुल अपनी कोर टीम के सदस्यों को फील्ड की राजनीति के लिए भेज रहे हैं और उनके अलावा मल्लिकार्जुन खडगे या प्रियंका गांधी वाड्रा के प्रति निजी निष्ठा वालों को महत्वपूर्ण पद दिए जा रहे हैं। इससे दूसरी लाइन खड़ी नहीं होगी। स्वाभाविक राजनीति से जो नेता निकले हैं उनकी बड़ी तादाद अब भी है। कांग्रेस उन्हीं के दम पर भाजपा को चुनौती दे सकती है। लगभग हर राज्य में कांग्रेस के पास ऐसे नेता हैं।

(ये लेखक के विचार हैं)

वैश्विक राजनीति में तरक्की पसंदगी का दौर खत्म

श्रुति व्यास

दुनिया रूढ़िवाद के सैलाब में डूब-उतरा रही है। मध्यमार्गी 'बेचारे' हो चले हैं। वे मध्य-दक्षिणपंथियों और लोकलुभावनवादी दक्षिणपंथियों से पिट रहे हैं। जर्मनी इस सैलाब का सबसे नया शिकार है। वहां की मध्य-दक्षिणपंथी क्रिस्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन पार्टी (सीडीयू) के नेता फ्रीड्रेक मर्त्ज का देश का अगला चांसलर बनना तय है। हालांकि मतदाताओं का दक्षिणपंथियों की ओर झुकाव अनुमानों से कम है, फिर भी यह जबरदस्त है। रूढ़िवादियों ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद संकल्प लिया था कि उनसे अधिक दक्षिणपंथी कोई भी दल चुनावों में कामयाबी हासिल नहीं कर सकेगा।

अब यह साफ है कि वे अपने संकल्प को पूरा करने में नाकामयाब रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर रूढिवादी सीडीयू/सीएसयू ने अधिकतर सीटों पर जीत हासिल की है। और अति-दक्षिणपंथी एएफडी दूसरे स्थान पर रही है। लेकिन जर्मनी के ये नतीजे न तो आश्चर्यजनक है और ना ही धक्का पहुंचाने वाले हैं।

सारी दुनिया में निराशा, मोहभंग और सार्वभौम मूल्यों के प्रति बगावत का माहौल है। इससे उग्र-दक्षिणपंथी और व्यवस्था-विरोधी दलों की ताकत में इजाफा हुआ है। स्थापित राजनीति को लेकर निराशा और मायूसी है, विशेषकर युवाओं में। अध्ययनों और रायशुमारियों में दावा किया गया है कि युवा आजादी (अर्थात उदारवाद) की बजाए अंकुशों (यानि रूढिवादिता) के अधिक पक्षधर हैं। अंतर्राष्टीय शोध संस्था ग्लोकेलाईटिस द्वारा 2024 में किए गए अध्ययन से पता लगता है कि 2014 से 2023 के बीच, कुल मिलाकर दुनिया अधिक उदारवादी बनी। हालांकि वह इसके साथ-साथ अधिक निराशावादी भी हो गई थी। इसका नतीजा यह हुआ कि सभी महाद्वीपों में उग्र-दक्षिणपंथी मतदाताओं की छवि बदल रही है, और अति दक्षिणपंथ के प्रति समर्थन युवावर्ग में सबसे तेजी से बढ़ रहा है।

इसकी वजह तो साफ़ है, हालांकि इसे समझना आसान नहीं है। उनकी सोच में ढेर सारी कमियां है, पाखंड है क्योंकि उनकी कोई विचारधारा ही नहीं है। युवा पंथनिरपेक्ष नजर आना चाहते हैं, और यह नहीं चाहते कि उन पर जेनोफोबिक (विदेशियों से नफरत करना वाला) होने का ठप्पा लगा दिया जाए। लेकिन वे प्रवासियों के खिलाफ हैं, और भारत के मामले में मुसलमानों और उनकी संस्कृति के। वे महसूस करते हैं कि पुराने राजनैतिक दल मुसलमानों के अधिक पक्षधर रहे हैं। जिन नौकरियों और घरों पर उनका हक था, वे अल्पसंख्यकों को दे दी गईं और उन्हें तकलीफ झेलने के लिए छोड़ दिया गया। वे महसूस करते हैं कि उनकी ओर से मुंह फेर लिया गया है, उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। इसलिए उन्हें उनकी भावनाओं के अनुकूल बातों और प्रोपेगेंडा से राहत महसूस होती है। उन्हें लगता है कि वे सही सोच रहे हैं। उनकी नजरों में दक्षिणपंथी ही ठीक बात कर रहे हैं।

दक्षिणपंथ की ओर आए इस झुकाव ने लोकतंत्र के प्रति आस्था को और धक्का पहुंचाया है। केंब्रिज के शोधकर्ताओं द्वारा 2020 में 160 देशों के लोगों के रवैयों का अध्ययन किया गया। अध्ययन में यह पाया गया कि युवा पीढ़ी का लोकतंत्र से अधिकाधिक मोहभंग होता जा रहा है। और पीयू रिसर्च सेंटर के मुताबिक 12 उच्च आय वाले देशों के करीब दो-तिहाई नागरिक लोकतंत्र से असंतुष्ट थे। यह अनुपात 2017 में आधे से भी कम था।

आखिर क्या बदल गया है?

तेजी से बदलते समय ने पुरानी यादों को धुंधला कर दिया है। 1930 के दशक के फासीवाद, जिसके चलते व्यापक नरसंहार वाला विनाशकारी युद्ध हुआ था, को दुनिया भूल चली है। तानाशाही और अति-दक्षिणपंथी अतिवाद अब पहले जितना कलंकित नहीं रहा। 1970 के दशक में ट्रंप, मिलोनी, और मोदी जैसे नेताओं को हिटलर और मुसोलनी का अवतार समझा जाता। लोग उनसे डरते, उनसे नफरत करते। लेकिन अब अधिनायकवादी लोगों की तानाशाही का भय नहीं है, बल्कि अब अल्पसंख्यकों, मुसलमानों को अधिकार और शक्ति दिए जाने के प्रति डर है। देश की सीमाओं के बाहर से आने वालों के प्रति भय है।

समय बदलता रहता है। एक समय 'स्टेटसमैनों' का था। जब विविधता, समानता, समावेशिता, पूंजीवाद और आजादी के मूल्यों का बोलबाला था। यह वह दौर भी था जिसमें रूढ़िवादी विचारों को खारिज किया जाता था। बहुसंख्यक वर्ग महसूस करता था कि उसे दूसरों से अधिक हक़ नहीं होने चाहिए। आज राजनैतिक माहौल बदल रहा है। दक्षिणपंथ की ओर झुकाव में जनता खुद को महफूज़ महसूस करती है। क्या दक्षिणपंथ की ओर इस झुकाव को इस बात का संकेत माना जा सकता है कि वैश्विक राजनीति में तरक्कीपसंदगी का दौर खत्म हो गया है? अभी तो ऐसा ही लग रहा है।

(ये लेखक के विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

खास खबर

जामुल में 5 करोड़ से 11 कार्य होंगे, डिजिटल लाइब्रेरी बनेगी

भिलाई। नगर पालिका परिषद जामुल में सामान्य सभा की बैठक रखी गई, जिसमें सभी पार्षदों ने अपने विचार रखते हुए सर्वसम्मति से सभी विषयों को स्वीकृति प्रदान की। बैठक के कुल 11 विषयों पर चर्चा हुई और सभी को पारित किया गया। नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि शिवपुरी गार्डन का उन्नयन कार्य 62.50 लाख, सुरडुंग के शीतला तालाब का सौंदर्यीकरण 65.30 लाख रुपए, शासकीय महाविद्यालय के पास नाला निर्माण 40 लाख, पालिका क्षेत्र के सार्वजनिक शौचालयों के संधारण के लिए 61 लाख रुपए, राम मंदिर तालाब के रिनोवेशन के लिए 1 करोड़ 13 लाख रुपए के विकास कार्यों के प्राप्त दरों का परिषद के सभी सदस्यों के सर्व सम्मति से अनुमोदन किया। यह सभी कार्य जल्द शुरू होंगे। जामुल पालिका में डिजिटल लाइब्रेरी के लिए जिला योजना सांख्यिकी विभाग दुर्ग द्वारा 2 करोड़ 70 लाख रुपए का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है, जिसे परिषद के सभी सदस्यों ने स्वीकृति प्रदान की है। इस प्रकार नगर पालिका जामुल क्षेत्र में कुल 5 करोड़ रुपए के विकास कार्य होंगे। बैठक में नपा उपाध्यक्ष सुनीता चन्नेवार, पार्षद खम्हन ठाकुर, रेखराम बंछोर, सरोजनी चन्द्राकर, दीपक गुप्ता, संजय देशलहरा, अश्वनी साहू, निशा चन्नेवार, रामप्यारी वर्मा, कविता बिश्वाल, रामदुलार साहू, के राजू, चुम्मन वर्मा, तिलेश्वर देवांगन, अहिल्या वर्मा मौजूद थे।

ललित ने सरपंच व पंचों से पार्टी को मजबूत बनाने आह्वान किया

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खपरी, मचांदुर के नव निर्वाचित सरपंच व पंचों ने दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर से उनके निवास में मुलाकात कर आशीर्वाद लिया और पंचायत चुनाव में जीत के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। विधायक ललित ने सभी विजयी प्रत्याशियों को बधाई देते हुए उनसे पार्टी को मजबूत बनाने का आह्वान किया। कहा कि जनता के विश्वास और आशीर्वाद से नवचयनित प्रतिनिधियों का यह नया सफर गांव के विकास और जनकल्याण के प्रति समर्पित रहेगा। सभी के साथ मिलकर समाज हित के कार्यों को गति देने और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सरपंच ललित निषाद, रोहिणी निषाद, तुलेश्वरी निषाद, दुलेश्वरी देवदास, पूर्णिमा ठाकुर, सुरेखा यादव, किरण निषाद, सुमित्रा मांडवी, मंजू नेताम, नंदकिशोर नेताम, ललिता यादव, राम अवतार यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

2500 परिवार गंदा पानी और कम प्रेशर से परेशान

भिलाई। संयुक्त ट्रेड यूनियन संघ, खदान मजदूर संघ बीएमएस भिलाई शाखा नंदिनी खदान और संयुक्त खदान मजदूर संघ एआईटीयुसी शाखा नंदिनी खदान ने शनिवार को दुर्ग कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सदस्यों ने बताया कि नंदिनी टाउनशिप में कुल 995 क्वार्टर है, जिसमें तीन वार्डों में लगभग 2500 के आसपास परिवार निवासरत हैं। टाउनशिप में पानी सप्लाई के समय को दिन में 2 बार 1 घंटे से कम करके दिन में 1 बार 35 मिनट कर दिया गया है। इससे लोगों के सामने जीवन यापन की समस्या खड़ी हो गई है।

डिजिटल मार्केटिंग जॉब के नाम पर साइबर ठगी: लाइक-कमेंट करने पर कुछ रुपए दिए, फिर ऐंठे डेढ़ लाख से ज्यादा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। डिजिटल मार्केटिंग की जॉब देने के नाम पर ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। ठग ने पहले सेक्टर 5 निवासी आदित्य को होटल रेस्टोरेंट के स्टार लाइक कराने का जॉब ऑफर किया। उसके अकाउंट में पैसे भी भेजे। इसके बाद उसे बड़ा टास्क देकर उससे लाखों की ठगी कर ली। भिलाई नगर पुलिस मामले की जांच कर रही है। भिलाई नगर टीआई प्रशांत मिश्रा ने बताया कि सेक्टर-5 भिलाई निवासी आदित्य शिवम ने ऑनलाइन ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। उसने बताया कि उससे होटल और रेस्टारेंट को गूगल पर रेटिंग देकर घर बैठे पार्ट टाइम जॉब करवाने के नाम पर कुल 1,69,700 रुपए की धोखाधड़ी की गई है।

लाइक करने और कमेंट करने कहा

आदित्य ने बताया कि 12 दिसंबर 2024 को दिव्या शर्मा नाम की महिला ने उसे वाट्सएप मैसेज भेजा था। उसने मैसेज में डिजिटल मार्केटिंग का काम करने के लिए ऑनलाइन पार्ट टाइम जॉब ऑफर किया था। उसने कहा कि जॉब ज्वाइन करने के बाद उसे दुनिया के सारे बड़े होटल और रेस्टोरेंट के गूगल वेबसाइट में जाकर लाइक और अंग्रेजी में कमेंट कराना है।

जब आदित्य ने हामी भरी तो दिव्या ने उसे एक लिंक भेजा। उसने कहा कि वो यदि हर घंटे 20 से 25 रेस्टोरेंट पर ऑनलाइन लाइक कमेंट कराकर देगा तो उसे 3500 रुपए दिए जाएंगे। आदित्य से उन लोगों ने उसका अकाउंट नंबर मांगा। आदित्य ने एसबीआई और पंजाब नेशनल बैंक का खाता उन्हें दिया।

लड़की ने टेलीग्राम का लिंक दिया

इसके बाद अंजली शर्मा नाम की लड़की ने उसे टेलीग्राम का लिंक दिया। इसमें अंजली शर्मा भेजे गए लिंक @anjalisharma_1102 में काम करने को कहा गया। आदित्य ने उस पर काम किया। इसके बाद उसके खाते में 1000 और 2000 रुपए डाले गए। जब आदित्य ने तीन से चार बार अपना काम कंप्लीट कर लिया तो उसके बाद अंजली शर्मा ने उसे विहान कबीर @vihaan__kabir के द्वारा मैसेज कर उसके दिए गए काम को करने के लिए कहा।

इसके बाद उस लिंक को उसके मोबाइल नंबर में लॉगिन कराया गया। इसके उसे टास्क दिया गया और उससे कुछ पेमेंट करने कहा गया। आदित्य उनके झांसे में आ गया और 12 दिसंबर 2024 को अलग-अलग खातों से एक एक कर भुगतान करके कुल 1,69,700 रुपए उन्हें दे दिया। इसके बाद आरोपी ने कहा कि आपके पैसे कॉइन स्विच के एप्लीकेशन में जमा है। आपको आपके पैसे हमारे फाइनेंशियल एडवाइजर जिनका टेलीग्राम लिंक @finance51601 जिसमें सचिन पटेल नाम दिख रहा था। उनके द्वारा आपको पैसे वापस किए जाएंगे।

पैसे निकालने के लिए मांगे गए डेढ़ लाख रुपए

आदित्य ने जब फाइनेंशियल एडवाइजर सचिन पटेल से बात की तो उन्होंने मुझे मेरे पैसे निकालने के लिए आपको 1,50,000 (लाख) रुपए और आपको डालने पड़ेंगे। इसके बाद युवक को ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद आरोपियों ने पीड़ित को डराया और धमकी दी कि आप पैसे एक घंटे के अंदर नहीं डालेंगे तो आपके सारे पैसे उड़ा दिए जाएंगे।

इसके बाद आदित्य ने तुरंत 1930 में कॉल करके शिकायत रजिस्टर करवाई। इसके बाद वह अपने निजी काम से बैंगलोर चला गया था। वहां से वापस आने के बाद भिलाई नगर थाने में आकर मामले की शिकायत दर्ज कराई।

पवन दीवान ने अपना सबकुछ छत्तीसगढ़ के लिए न्यौछावर कर दिया - डॉ. परदेशी राम वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। साहित्यिक संस्था अगासदिया के आमदी नगर, भिलाई स्थित परिसर में आज 2 मार्च को छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय संत कवि पवन दीवान की दसवीं पुण्य तिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई. इस अवसर पर आयोजित विशेष समारोह में अनेक आंचलिक साहित्यकारों और प्रबुद्धजनों ने उनसे जुड़ी अपनी स्मृतियों को साझा किया. अगासदिया के अध्यक्ष डॉ. परदेशीराम वर्मा ने कहा कि दीवानजी लाल किले में काव्य पाठ करने वाले छत्तीसगढ़ के पहले सपूत थे। उन्होंने छत्तीसगढ़ के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

डॉ. वर्मा ने आगे कहा कि अपने जीवन के अंतिम दस वर्ष दीवान जी ने माता कौशल्या की यश गाथा को समर्पित कर एक बड़ा काम किया। सबने जाना कि माता कौशल्या छत्तीसगढ़ की बेटी थी और भगवान राम छत्तीसगढ़ के भांचा हैं. संत पवन दीवान जिस क्षेत्र में भी गए वहां वे अतुलनीय और पूजनीय हो गये। डॉ. परदेशीराम वर्मा ने बताया कि हम संत कवि पवन दीवान की जिस आवक्ष प्रतिमा की पूजा करते हैं, उसे रायपुर के साहित्यकार रसिक बिहारी अवधिया ने अगासदिया संस्था को उपहार में स्वयं बनाकर दिया है। साहित्यकार और समाज सेविका डॉ. सोनाली चक्रवर्ती ने कहा कि मेरा सौभाग्य रहा कि संत पवन दीवान के कई कार्यक्रमों का मुझे संचालन करने का अवसर मिला । मैं उनके भागवत प्रवचनों को भी सुनने जाती थी। छत्तीसगढ़ के स्वाभिमान के लिए संत पवन दीवान ने जो काम किया है, उसे छत्तीसगढ़ ही नहीं पूरा देश जानता है।वे छत्तीसगढ़ के महान कवि थे।

साहित्यकार बद्रीप्रसाद पारकर ने कहा कि हमारे गाँव में, हमारे परिवार ने उनका भागवत प्रवचन रखा था उस अवसर पर अपार भीड़ देखकर हमने जाना कि दीवान जी को लोग पूजते थे। आमदीनगर वरिष्ठ नागरिक संघ के अध्यक्ष अरूण अग्रवाल ने कहा कि संत पवन दीवान आमदीनगर में घर-घर जाने जाते थे। उनके नाम पर एक भव्य द्वार मंदिरों के क्षेत्र में बनना चाहिए। आमदीनगर तालाब में संत पवन दीवान हमेशा आते रहे।

लोगों से मिले विधायक देवेंद्र यादव, विधायक कार्यालय में हुई भेंट मुलाकात, जाना हालचाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विधायक देवेंद्र यादव ने रविवार को सेक्टर 5 स्थित कार्यालय में चौपाल लगाया. जेल से आने के बाद पहली बार विधायक ने चौपाल लगाया। जहाँ हजारों समर्थक अपने नेता से भेंट मुलाकात करने हालचाल पूछने पहुंचे।

सुबह से ही सेकड़ो लोगो का भीड़ लगनी. जहां उन्होंने युवा साथी, महिलाएं, विभिन्न समाज के प्रतिनिधि मंडल भी मुलाकात करने पहुंचे। सभी ने विधायक का कुशलक्षेम जाना, हालचाल पूछे. विधायक ने भी लोगो से मिले सभी का हालचाल जाना। लोगो ने अपनी समस्या भी बताई जिनके समस्याओं का समाधान किया।

करीब 6 माह बाद अपने नेता से मिलाकर लोगो में काफ़ी उत्साह का माहौल, लोगो ने जमकर ख़ुशी मनाई। वहीं कुछ लोगों ने राशन कार्ड बनाने, शिक्षा के अधिकार के तहत निजी स्कूल में प्रवेश को लेकर अपनी बात रखी। जिस पर विधायक ने संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई करने के लिए निर्देशत किया और राशन कार्ड को जल्द से जल्द बनाने कहा। निजी अस्पताल में भर्ती मरीजों के बेहतर इलाज के लिए अस्पताल प्रबंधन को फोन कर सहयोग करने कहा।

इसके अलावा बहुत सुपेला क्षेत्र की महिलाएं व पुरूष, जिन्हें शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था, वे भी विधायक के पास योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग लेकर पहुंचे थे। जिन्होंने अपनी परेशानी विधायक को बताई और विधायक श्री यादव ने संबंधित अधिकारियों को फोन कर जरूरतमंद लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बता दें कि विधायक यादव अपने कार्यालय में पहुंचने वाले हर व्यक्ति से मुलाकात करते हैं उनकी समस्या का समाधान करने का प्रयास करते है ।

कांग्रेस ने संभाली विपक्ष की कमान, अरुण वोरा बोले: जनता के हित में विपक्ष की भूमिका पूरी निष्ठा से निभाएंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आज राजीव भवन में नगर निगम में विपक्ष की भूमिका तय करने के लिए कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सर्वसम्मति से संजय कोहले को नगर निगम दुर्ग का नेता प्रतिपक्ष चुना गया, जबकि विजयंत पटेल को भी विपक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा, दीपक साहू को अपील समिति का सदस्य नियुक्त किया गया। बैठक में रायपुर से प्रदेश महामंत्री एवं कांग्रेस प्रवक्ता सुबोध हरितवाल पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे।

बैठक में पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कांग्रेस की

भूमिका सिर्फ सत्ता में रहते हुए विकास करना नहीं, बल्कि जब भी ज़रूरत हो, जनता के अधिकारों की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि पिछले कार्यकाल में कांग्रेस बहुमत में थी, और नगर निगम में प्रशासन को पारदर्शी और जनहितैषी बनाए रखने के लिए पूरी निष्ठा से काम किया गया। अब जबकि कांग्रेस विपक्ष में है, उसकी जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि पार्टी पूरी मजबूती के साथ जनता की समस्याओं को उठाएगी, प्रशासन को जवाबदेह बनाएगी और हर वह संघर्ष करेगी, जो शहरवासियों के हक में ज़रूरी होगा। विपक्ष में रहकर भी कांग्रेस जनहित के लिए पहले की तरह कार्य करती रहेगी।

इस महत्वपूर्ण बैठक में कांग्रेस संगठन के कई वरिष्ठ नेता भी उपस्थित रहे। पूर्व गृहमंत्री तम्रध्वज साहू, पूर्व महापौर आरएन वर्मा, महामंत्री राजेंद्र साहू, जिला अध्यक्ष गया पटेल, दीपक दुबे,परमजीत सिंह भुई और पूर्व महापौर शंकरलाल तम्रकार की उपस्थिति ने बैठक को और अधिक प्रभावशाली बना दिया।

गौरतलब है कि जब कांग्रेस नगर निगम दुर्ग में सत्ता में थी, तब शहर के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए थे। सड़क निर्माण, जल निकासी सुधार, सफाई व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं में बड़े सुधार किए गए। कांग्रेस सरकार के दौरान नगर निगम ने दुर्ग शहर को बेहतर बनाने की दिशा में कई प्रभावी योजनाएँ लागू कीं, जिसका सीधा लाभ जनता को मिला। अब, भले ही नगर निगम दुर्ग में भाजपा ने बहुमत हासिल किया हो, लेकिन कांग्रेस विपक्ष की भूमिका में जनता के मुद्दों पर पूरी सजगता से निगरानी रखेगी। नगर निगम के हर फैसले की बारीकी से समीक्षा होगी और जनविरोधी नीतियों का डटकर विरोध किया जाएगा। वोरा ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस की लड़ाई सिर्फ सत्ता में बने रहने के लिए नहीं, बल्कि जनता के हक की है। सत्ता में रहते हुए विकास करना और विपक्ष में रहते हुए जनता की आवाज को बुलंद करना ही कांग्रेस की असली पहचान है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर कन्या महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया गया। इस वर्ष विज्ञान दिवस की थीम ''विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व एवं भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना'' थी।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने जीवन में विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के महत्व एवं विकसित भारत के लिये युवाओं को विज्ञान एवं नवाचार हेतु प्रेरित किया।

विज्ञान दिवस के अवसर पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. प्रषांत श्रीवास्तव, प्राध्यापक, भूगर्भषास्त्र विभाग, शास. विष्वनाथ यादव तामस्कर स्वषासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग ने ''विज्ञान दिवस के महत्व तथा डॉ. सी.वी. रमन की जीवनी पर प्रकाष डाला। इसी श्रृंख्ला में डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव, प्राचार्य एवं अपर संचालक बस्तर संभाग, जगदलपुर ने ''आनुवांषिक विविधता एवं स्वास्थ्य'' पर विस्तृत जानकारी दी।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसकी प्रभारी डॉ. एम.लक्ष्मी प्रसुन्ना थी जिसमें कु. अनामिका सिंह को प्रथम, द्वितीय स्थान कु. अंकिता पॉल तथा कु. करिना एवं देवांषी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजन की प्रभारी डॉ. लता मेश्राम एवं डॉ. सुषमा यादव थी जिसमें कु. श्रिया चैबे को प्रथम, कु. सोनम एवं कु. संजना को द्वितीय तथा कु. तृप्ति सिन्हा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी कड़ी में क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसकी प्रभारी डॉ. अनुजा चैहान थी जिसमें रसायनषास्त्र विभाग की टीम ने प्रथम स्थान, प्राणीषास्त्र विभाग की टीम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर गणित विभाग की टीम रही। विज्ञान दिवस को लेकर पावर प्वाईन्ट प्रेजेन्टेषन का आयोजन भी हुआ जिसकी प्रभारी डॉ. यास्मीन फातिमा परवेज थी इस प्रेजेन्टेषन में सुष्मिता पाड़ी एवं रूद्राणी विष्वास को क्रमषः प्रथम एवं द्वितीय तथा कुसुम देवांगन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर निर्णायक के रूप में डॉ. हेमा कुलकर्णी, सहायक प्राध्यापक, शासकीय मॉडल कॉलेज दुर्ग, डॉ. शाहिस्ता, सहायक प्राध्यापक, शासकीय मॉडल कॉलेज दुर्ग, डॉ. विजयलक्ष्मी नायडू, सहायक प्राध्यापक, शासकीय विष्वनाथ यादव तामस्कर स्वषासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग, डॉ. मौसमी डे, सहायक प्राध्यापक, शासकीय विष्वनाथ यादव तामस्कर स्वषासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग उपस्थित थे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम प्रभारी डॉ. मोहम्मद शोयेब एवं डॉ. यास्मीन फातिमा परवेज तथा विज्ञान संकाय के सभी प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अतिथि व्याख्याता एवं जनभागीदारी व्याख्याताओं ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ;ब्ळब्ैब्ळ्द्ध एवं ;छैब्ब्ए कैन्द्ध द्वारा प्रायोजित किया गया।

खास खबर...

एशियन कबड्डी चैंपियनशिप : छग की पहली कबड्डी खिलाड़ी संजू यादव होंगी शामिल

बिलासपुर। एशियन कबड्डी चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम की घोषणा हो गई है जिसमें छत्तीसगढ़ की प्रतिभाशाली कबड्डी खिलाड़ी संजू यादव भी शामिल की गई है। संजू अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाली छत्तीसगढ़ की पहली कबड्डी खिलाड़ी बन गई हैं। इस उपलब्धि की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बधाई और शुभकामनाएं दी है। 4 से 9 मार्च तक तेहरान (ईरान) में होने वाली इस प्रतियोगिता में संजू भारतीय टीम का हिस्सा होंगी। वह वर्तमान में सोनीपत (हरियाणा) में प्रशिक्षण ले रही थीं।

कोरबा जिले के केराकछार, पाली गांव की रहने वाली संजू के पिता रामजी यादव ड्राइवर हैं और माता अमरिका बाई गृहिणी हैं। 2016 में कबड्डी खेलना शुरू करने वाली संजू को पहली बार जिला कबड्डी संघ के पदाधिकारियों ने तिवरता में आयोजित प्रतियोगिता में खेलते देखा और क्लब में शामिल किया। संजू ने कटघोरा गवर्नमेंट कॉलेज से पढ़ाई की। वे आईटीआई के दौरान लाल मैदान, दर्री में अभ्यास करती थीं। उनकी मेहनत रंग लाई और उन्हें बहतराई खेल अकादमी, बिलासपुर में ट्रेनिंग का मौका मिला। वहां से हरियाणा में नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप में उम्दा प्रदर्शन के बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय टीम में स्थान मिला।

संघ के कोच अनुज प्रताप सिंह और बसंत शर्मा ने इसे राज्य के लिए गर्व का विषय बताया। तिवरता कबड्डी स्पर्धा आयोजन समिति के हरिशंकर दुबे और रायगढ़ के राजेश पटनायक, जिन्होंने 6 साल पहले 2 लाख रुपये की सहायता से कबड्डी मैट उपलब्ध करवाई थी, भी इस उपलब्धि से बेहद खुश हैं।

बिलासपुर में बिना हेलमेट के अब नहीं मिलेगा पेट्रोल

बिलासपुर। जिला यातायात पुलिस बिलासपुर ने सड़क सुरक्षा को लेकर एक अहम कदम उठाते हुए पुलिस पेट्रोल पंप के कर्मचारियों को हेलमेट वितरित किए। पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने खुद अपने हाथों से यह हेलमेट वितरित किए और सभी को सुरक्षित वाहन चलाने की अपील की। इस मौके पर उन्होंने शहर के सभी पेट्रोल पंप संचालकों से आग्रह किया कि बिना हेलमेट पहने किसी भी वाहन चालक को पेट्रोल न दें। यह पहल लोगों को हेलमेट पहनने के प्रति जागरूक करने के लिए की गई है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों और गंभीर चोटों को रोका जा सके।

यातायात पुलिस की ओर से मुख्य सड़कों पर हेलमेट और सीट बेल्ट न पहनने वालों के खिलाफ सख्त चालानी कार्रवाई भी जारी है। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से अपील की कि वे अच्छी गुणवत्ता वाले आईएसआई मार्क हेलमेट का उपयोग करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत चलाए जा रहे इस अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामगोपाल करियारे, डीएसपी शिव चरण परिहार, डीएसपी मंजुलता केरकेट्टा सहित अन्य पुलिस अधिकारी, जवान और आम नागरिक उपस्थित रहे।

पूर्व क्रिकेटर कपिल देव ने नवा रायपुर गोल्फकोर्स की तारीफ,कहा रायपुर गोल्फका डेस्टिनेशन बनेगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ आए पूर्व क्रिकेटर कपिल देव ने छत्तीसगढ़ गोल्फ कोर्स की सुविधाओं की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ आकर मुझे बहुत मजा आया। मुझे उम्मीद नहीं थी कि यहां भी गोल्फ हो सकता है। बहुत ही बढ़िया गोल्फ कोर्स है। व्यवस्थाएं बेहतरीन थी। हम चाहते हैं कि यहां हर साल गोल्फ हो। छत्तीसगढ़ गोल्फ डेस्टिनेशन बन जाए। गोल्फकोर्स अच्छा है। सराउंडिंग इतनी अच्छी है कि मैं शब्दों में बयान नहीं कर नहीं कर सकता। मैं सभी से चाहूंगा कि वे रायपुर आए और इस खूबसूरत गोल्फकोर्स का आनंद उठाएं।

ऊर्जा के क्षेत्र में बढ़ेंगी चुनौतियां, नवाचारों के लिए रहें तैयार: कटियार

अभियंता संघ के अधिवेशन में नई भर्ती, ओपीएस की पुरजोर उठी मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक एस के कटियार ने कहा है कि ऊर्जा क्षेत्र में आने वाले दिनों में चुनौतियां और बढ़ेंगी और ऐसे में युवा अभियंताओं को नवाचार के लिए तैयार रहना होगा। छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल अभियंता संघ के एक दिवसीय प्रादेशिक अधिवेशन एवं असाधारण सभा में मुख्य अतिथि श्री कटियार में कहा कि टीम वर्क के बगैर हमारी सफलता सुनिश्चित नहीं हो सकती इसलिए हमें मिलकर चलना होगा।

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र मड़वा के सीनियर क्लब में आयोजित कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं ट्रांसमिशन कंपनी के एमडी राजेश कुमार शुक्ला ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि वरिष्ठ इंजीनियरों के अनुभव और युवा अभियंताओं की ऊर्जा के समन्वित प्रयास से हम अपनी प्रगति को सुनिश्चित कर सकते हैं। अधिवेशन में प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर राजेश पांडे, महासचिव मनोज वर्मा, कार्यक्रम संयोजक एच एन कोसरिया, कोषाध्यक्ष शशांक श्रीवास्तव प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

अध्यक्ष राजेश पांडे ने अधिवेशन को संबोधित करते हुए पॉवर कंपनी में पुरानी पेंशन योजना की बहाली, कनिष्ठ स्तर पर नई भर्ती, अंतर कंपनी ट्रांसफर पर रोक समेत कई मांगे कंपनी प्रबंधन के समक्ष रखी। महासचिव मनोज वर्मा ने बताया कि अधिवेशन की शुरुआत में अभियंताओं के प्रेरणा भारत रत्न इंजीनियर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की प्रतिमा का अतिथियों द्वारा अनावरण किया गया एवं वरिष्ठ अभियंताओं पी एन सिंह, सुरेन्द्र तिवारी, शरद श्रीवास्तव, मुकेश नाहर, संजय तैलंग, पीके खरे, सुनील विश्वास,राकेश शर्मा ,अनिल व्यास, एस के बंजारा, प्रवीण श्रीवास्तव, विनय पांडेय, विनोद अग्रवाल, सीएम बाजपई, मोहम्मद शाहिद खान को अभियंता के रूप में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया।

अधिवेशन में ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे नवाचारों के लिए अभियंताओं की भूमिका तथा दक्षता सुधार पर विशेष तौर पर चर्चा की गई। इस मौके पर बदलते ऊर्जा परिदृश्य और अभियंता संघ के प्रयासों पर केंद्रित स्मारिका ऊर्जा संदेश का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर विनय पांडेय एवं आभार प्रदर्शन इंजीनियर एच एन कोसरिया ने किया।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के 175 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वॉकथॉन का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सन् 1851 में स्थापित भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने 2 मार्च, 2025 को रायपुर में अपने राज्य इकाई कार्यालय में भव्य कार्यक्रमों के साथ अपना 175 वां स्थापना दिवस मनाया। भारत के सबसे पुराने वैज्ञानिक संगठनों में से एक, जीएसआई ने भूवैज्ञानिक अनुसंधान, खनिज अन्वेषण और आपदा अध्ययन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अपने प्रतिष्ठित इतिहास में, जीएसआई ने कोयला, लौह अयस्क और तांबे जैसे महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों की खोज करके भारत के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। छत्तीसगढ़, एक खनिज समृद्ध राज्य, टिन अयस्क, बॉक्साइट, लौह अयस्क, कोयला और अन्य खनिजों के महत्वपूर्ण भंडार प्रदान करने के साथ देश की खनिज आपूर्ति को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

छत्तीसगढ़ में जीएसआई की राज्य इकाई ने भारत के प्रथम लिथियम ब्लॉक सहित कई उच्च मूल्य वाले खनिज ब्लॉकों की नीलामी की सुविधा प्रदान की है। ये अभूतपूर्व खोज औद्योगिक विस्तार और तकनीकी उन्नति की नींव रख रही है। समारोह का उद्घाटन उप महानिदेशक, अमित धारवाडकर ने 2 मार्च को सुरक्षित विश्व के लिए भूविज्ञान के विषय पर एक वॉकथॉन के साथ किया जिसका उद्देश्य वैश्विक स्थिरता में भूविज्ञान के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना था। यह आयोजन मेसर्स अष्टधातु फेरो मेटल्स प्रा. लिमिटेड, जियोसोल्यूशन प्रा. लिमिटेड, यूनाइटेड एक्सप्लोरेशन प्रा. लिमिटेड, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक एवं सिद्धार्थ जियो कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड द्वारा सह-प्रायोजित था।

जीएसआई कार्यालय परिसर में शुरू हुए 3 किमी की पैदल यात्रा में लगभग 100 प्रतिभागी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में जीएसआई कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों, सेवानिवृत्त जीएसआई कर्मचारी, आसपास के संस्थानों के खातकोत्तर भूविज्ञान के छात्रों और स्थानीय लोग शामिल हुए। इस आयोजन में सामुदायिक सहभागिता और भूविज्ञान के बारे में लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया गया। स्थापना दिवस उत्सव का समापन 4 मार्च को जीएसआई कार्यालय में एक सार्वजनिक प्रदर्शनी के साथ होगा जिसमें संगठन की क्षमताओं और भूवैज्ञानिक मानचित्रण और खनिज अन्वेषण में उल्लेखनीय योगदान का प्रदर्शन किया जाएगा। यह सार्वजनिक प्रदर्शनी सुबह 10 बजे से शाम 6.00 बजे तक सभी के लिए खुला रहेगा।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर छात्राओं ने प्रस्तुत किए विज्ञान मॉडल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। डॉ. राधाबाई शासकीय नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रायपुर के भौतिक शास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने होलोग्राम, टू-स्टेप रेलवे ट्रैक एक्सीडेंट, हाइड्रोइलेक्ट्रिसिटी तथा इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट आन रोड पर आधारित चलित मॉडल प्रदर्शित किए, जो विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में नवाचार को दर्शाते हैं।

मॉडल प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. शुभ्रा मिश्रा (सहायक प्राध्यापक, भौतिक शास्त्र विभाग, शासकीय नवीन महाविद्यालय गुढ़ियारी) और डॉ. प्रीति श्रीवास्तव (विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, डॉ. राधाबाई शासकीय नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय) रहीं। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रीति मिश्रा ने विज्ञान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विज्ञान ने हमारे जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं— चाहे वह परिवहन हो, चिकित्सा, कृषि, उद्योग या मनोरंजन। उन्होंने बताया कि विज्ञान ने भाप इंजन से विद्युत इंजन तक का सफर तय किया है, हाई-स्पीड इंटरनेट सुलभ कराया है और रोगों के इलाज को आसान बनाया है।

आईक्यूएसी प्रभारी एवं भौतिक शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. दीप्ति झा ने सी.वी. रमन के योगदान को रेखांकित करते हुए बताया कि उन्होंने 28 फरवरी 1928 को 'रमन प्रभाव' की खोज की थी, जिसके लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसी महत्वपूर्ण खोज को समर्पित करते हुए हर साल 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिनमें— प्रथम स्थान: वैष्णवी साहू (एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर), द्वितीय स्थान: रुमा मरकाम, रिंकी मार्कण्डेय, जागृति साहू, अपर्णा पाण्डेय, तृतीय स्थान: चित्रलेखा चक्रधारी, दुर्गा निषाद, दीप्ति नागेश, रितिका साहू, हेमपुष्पा, पायल साहू एवं लितेश्वरी साहू ने प्राप्त किया।

51 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में, धार्मिक ग्रंथ राम चरित मानस देकर वर-वधु को दी गई बिदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रावांभाठा के एक निजी होटल में 51 बटुकों ने मंत्रोच्चार के साथ सर्व समाज के 51 निर्धन जोड़ों को परिणय सूत्र में बांधा। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के द्वारा सभी जोड़ों को 70 हजार रुपए की गृहस्थ जीवन में उपयोग आने वाली सामग्री उपहार स्वरूप प्रदान की गई और धार्मिक ग्रंथ राम चरित मानस देकर जोड़ों को विदाई दी गई। सभी समाज के वरिष्ठ जनो, अग्र बंधुओं के साथ ही रायपुर शहर के विधायक सुनील सोनी और बसना के विधायक संपत अग्रवाल वर वधु को आशीर्वाद प्रदान किया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 बजे हल्दी, मेहंदी और संगीत रस्म के साथ हुई, जहां जोड़ों के अभिभावकों के साथ अग्रवाल समाज के पदाधिकारी और सदस्यों ने नृत्य करते हुए विवाह का जश्न मनाया। दोपहर 2 बजे से मंगल फेरे की शुरुआत हुई, जहां 51 बटुकों ने मंत्रोच्चार के साथ 51 जोड़ों को परिणय सूत्र में बांधा। विवाह संपन्न होने के बाद अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों ने सभी जोड़ों को मिठाइयां और आशीर्वाद देते हुए 70 हजार रुपए की गृहस्थ जीवन में उपयोग आने वाली सामान (सूटकेस, एयर बैग,बर्तन के सेट,नॉन स्टीक तवा ,सीलिंग फैन,आयरन,वाटर फिल्टर, धार्मिक ग्रंथ राम चरित मानस देकर विदाई दी।

कन्या सामूहिक विवाह कार्यक्रम में मुख्य सूत्रधार बने दीनदयाल गोयल, सियाराम अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष डॉ अशोक अग्रवाल, प्रांतीय चेयरमैन अशोक मोदी, प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष राजू अग्रवाल, महामंत्री संजय अग्रवाल, प्रांतीय संरक्षिका अनिता अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्षा गंगा अग्रवाल, महामंत्री निधि अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक शोभा केडिया, गूंजा सुल्तानिया, रमेश अग्रवाल, रमेश बंसल, प्रचार प्रसार प्रमुख ज्योति अग्रवाल,रायपुर जिला से अध्यक्ष हरिकेश पालीवाल, गोविंद अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, सारिका खेतान के साथ अन्य अग्रबंधु उपस्थित थे।

राजधानी रायपुर में स्टार्टअप और निवेश पर चर्चा, इनोव-8 में उद्यमियों और निवेशकों का संगम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा इनोव 8 में एक विशेष स्टार्टअप एवं इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर के प्रमुख निवेशक, सफल उद्यमी और स्टार्टअप संस्थापक शामिल हुए। इस कार्यक्रम में व्यवसायिक संभावनाओं, निवेश रणनीतियों और नवाचार पर गहन चर्चा हुई।

प्रिंटमाइन के संस्थापक हर्ष अग्रवाल ने अपनी प्रेरणादायक उद्यमशीलता यात्रा साझा की, जिससे नए उद्यमियों को दिशा मिली। इसके अलावा, ब्लैकस्टोन के प्रबंध निदेशक, मैनकाइंड के इन्वेस्टमेंट लीड, डंजो के संस्थापक और मेट्री के संस्थापक रोहित कश्यप ने बिजनेस ग्रोथ, निवेश और स्टार्टअप सफलता पर विचार-विमर्श किया। छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आए स्टार्टअप संस्थापकों और निवेशकों ने नेटवर्किंग की और सहयोग के नए अवसरों पर चर्चा की। यह आयोजन रायपुर को एक मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

आश्रम -3 की पम्मी इतने करोड़ की है मालकिन, ग्लैमरस अदाओं से करती हैं मदहोश

आश्रम-3 पार्ट 2 का प्रीमियर महाशिवरात्रि के मौके पर 26 फरवरी को हुआ और बाकी सीजन की तरह नया पार्ट भी ब्लॉकबस्टर बन गया। दर्शकों को बाबा निराला बने बॉबी देओल की एक्टिंग काफी पसंद आई। हालांकि जिस शख्स की इन-दिनों सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, वह कोई और नहीं बल्कि पम्मी का किरदार निभाने वाली अदिति पोहनकर है।

अदिति पोहनकर का जन्म 31 दिसंबर 1994 को सुधीर और शोभा पोहनकर के घर हुआ था। 25 वर्षीय अभिनेत्री के पिता एक पूर्व मैराथन रनर थे और उनकी मां एक पूर्व राष्ट्रीय स्तर की हॉकी खिलाड़ी थीं। आश्रम के अलावा, अदिति ने 'लाई भारी', 'जेमिनी गणेशनम सुरुली राजनम' जैसी फिल्मों और वेब शो में अपनी एक्टिंग से दर्शकों को इम्प्रेस किया है।

टॉपप्लेनेटइन्फो की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2019 तक अदिति पोहनकर की कुल संपत्ति .1 मिलियन है। कई फिल्मों और टीवी शो में अभिनय के अलावा वह कई विज्ञापन में भी नजर आ चुकी हैं।

काफी ग्लैमरस हैं अदिति पोहनकर

आश्रम में सीधी सादी दिखने वाली अदिति रियल में काफी बोल्ड है। एक्ट्रेस अपनी सिजलिंग तसवीरों से दर्शकों को खूब इम्प्रेस करती है। ट्रेडिशनल आउटफिट हो या फिर मॉडर्न, हर लुक में वह कहर ढाहती हैं। अदिति को इंस्टाग्राम पर 1 मिलियन से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। आश्रम का तीसरा सीजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम हो रहा है। आप वीकेंड में इसे एंजॉय कर सकते हैं।

'मॉम टू बी' एक्ट्रेस कियारा आडवाणी प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट के बाद एयरपोर्ट पर हुईं स्पॉट

पति सिद्धार्थ मल्होत्रा ने रखा खास ख्याल

स्टार कपल कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। एक्ट्रेस ने कुछ दिन पहले ही अपनी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी। अब आखिरकार मां बनने की खुशखबरी देने के बाद वह पहली बार अपने पति सिद्धार्थ के साथ स्पॉट हुईं। सिद्धार्थ अपनी प्रेग्नेंट वाइफ का एयरपोर्ट पर ख्याल रखते हुए नजर आए।

जब भी बी-टाउन के पसंदीदा कपल्स की बात आती है, तब कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा का जिक्र जरूर होता है। दोनों ग्लैमर वर्ल्ड के पावर कपल कहे जाते हैं। गुपचुप डेटिंग के बाद दोनों ने दो साल पहले शादी की थी और दूसरी एनिवर्सरी सेलिब्रेट करने के चंद दिन बाद उन्होंने नन्हे मेहमान के आने की खुशखबरी दी है। कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा अपनी जिंदगी का एक नया चैप्टर शुरू करने जा रहे हैं। अब दोनों पति-पत्नी से माता-पिता बनने वाले हैं। एक्ट्रेस ने जैसे ही अपनी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की, वैसे ही फैंस के चेहरे खिल गए। अब दोनों को पहली बार स्पॉट किया गया है।

एयरपोर्ट पर दिखीं कियारा

प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट के बाद कियारा आडवाणी पहली बार स्पॉट हुईं। वह मुंबई से रवाना हुईं। 2 मार्च को वह अपने पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट की गईं। इस दौरान शेरशाह अभिनेता अपनी बीवी का खास ख्याल रखते हुए नजर आए। पहले उन्होंने प्रेग्नेंट बीवी कियारा के लिए दरवाजा खोला और फिर उनका हाथ थामकर एयरपोर्ट के अंदर ले गए।

फैशनिस्टा कियारा आडवाणी ने प्रेग्नेंसी में भी अपने स्टाइल स्टेटमेंट में कोई कमी नहीं रखी। उन्होंने एक लूज फ्लोरल ड्रेस पहनी थी, जिसे उन्होंने खुले बाल और काले चश्मे से स्टाइल किया था। दूसरी ओर सिद्धार्थ डेनिम जींस, व्हाइट स्नीकर, व्हाइट टीशर्ट के साथ ब्राउन जैकेट में कूल लग रहे थे।

फैंस ने कपल पर लुटाया प्यार

जैसे ही कपल का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, फैंस उन्हें बधाइया और प्यार लुटाने लगे। एक फैन ने कहा, भगवान उन्हें हमेशा खुश और स्वस्थ रखे। एक ने दोनों को बधाई दी। किसी ने कियारा की ड्रेस को पसंद किया तो वहीं एक ने कहा, बेबी मल्होत्रा का बेसब्री से इंतजार है।

मालूम हो कि गेम चेंजर के प्रमोशन के दौरान कियारा आडवाणी के तबीयत खराब होने की खबर आई थी। उन्हें अस्पताल में भी एडमिट कराया गया था। तभी से एक्ट्रेस की प्रेग्नेंसी के कयास लग रहे थे। 28 फरवरी 2025 को आखिरकार उन्होंने प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की। सिद्धार्थ और कियारा ने बेबी के मोजे की फोटो शेयर कर कहा, हमारी जिंदगी का सबसे बड़ा तोहफा जल्द आ रहा है।

सैम बॉम्बे से डिवोर्स के बाद दूसरी शादी करने वाली हैं पूनम पांडे?

बोलीं - 'अभी भी डर लगता हैं'

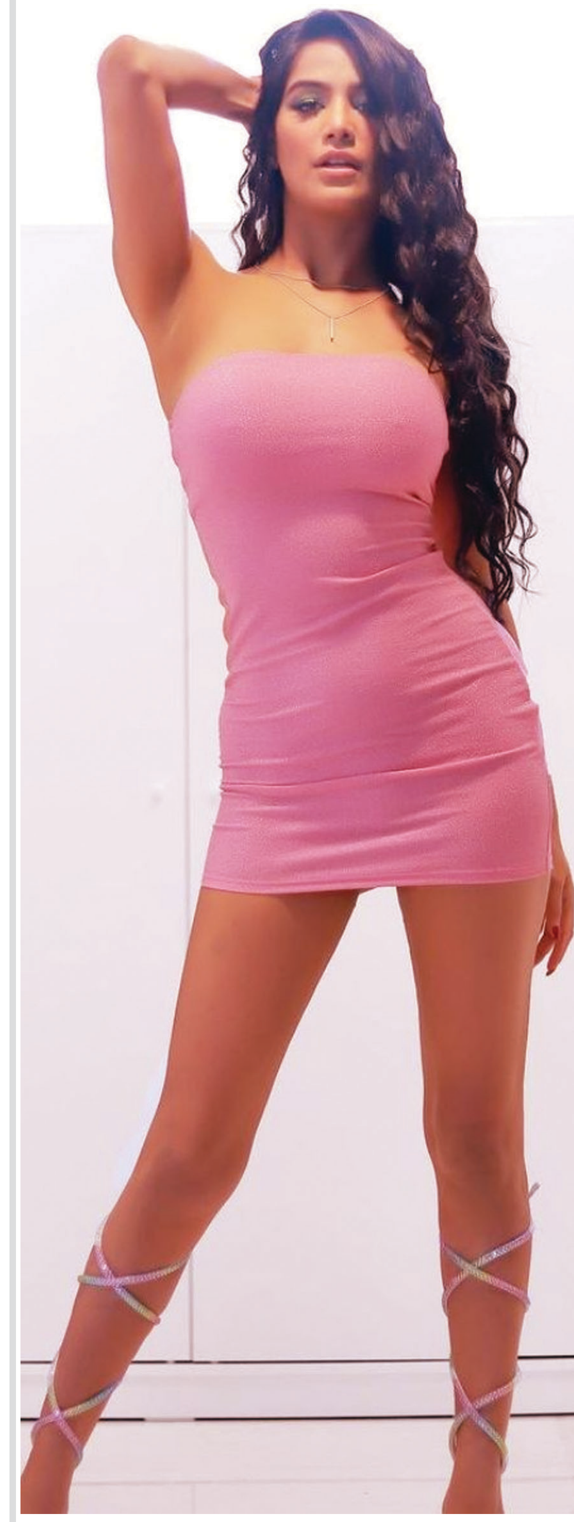

कंट्रोवर्सियल एक्ट्रेस पूनम पांडे एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। साल 2020 में उन्होंने अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड सैम बॉम्बे से शादी की थी। हालांकि कुछ समय बाद ही ये अलग हो गए। एक्ट्रेस फिलहाल सिंगल हैं।

पति को गोवा में कराया था गिरफ्तार

पूनम की ये शादी बहुत ही कम समय के लिए चली। गोवा में अपने हनीमून के दौरान ही एक्ट्रेस ने सैम पर छेड़छाड़, धमकी और हमले का आरोप लगाकर गोवा पुलिस द्वारा उन्हें गिरफ्तार करा दिया था। सिर, आंख और चेहरे पर चोट लगने के कारण पूनम को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब हाल ही में एक इंटरव्यू में 33 साल की अभिनेत्री ने दोबारा शादी को लेकर अपने विचार शेयर किए हैं।

सिंगल हूं और खुश हूं - पूनम

इंस्टेंट बॉलीवुड से बात करते हुए पूनम ने कहा,मैं दो साल से सिंगल हूं और अपनी जिंदगी में बहुत खुश हूं। व्यक्तिगत रूप से, मुझे लगता है कि मैं इस मामले में बदकिस्मत हूं, लेकिन मैं बहुत खुश हूं। मेरे पास एक सुंदर परिवार और एक सुंदर करियर है। मैं इससे खुश हूं। मैं ओपन हूं,लेकिन अभी भी डर लगता है। मुझे ट्रस्ट इशूज हैं।

कंगना रनौत के शो पर आई थीं पूनम

पूनम पांडे कंगना रनौत के शो लॉक अप में एक कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आई थीं। एक्ट्रेस ने उस दौरान अपने पूर्व पति सैम द्वारा की जा रही घरेलू हिंसा के बारे में खुलकर बात की थी। करणवीर बोहरा के साथ बातचीत में उन्होंने कहा, अगर मैं अपने कुत्ते से प्यार करती हूं और उसके साथ सोती हूं, तो वह कहेगा कि मैं अपने कुत्तों को उससे ज्यादा प्यार करती हूं। यह किस तरह का बयान है? मुझे अपने कुत्तों से प्यार करने के लिए क्यों पीटा जाना चाहिए? क्या यह ब्रेन हैमरेज होने का कारण है? क्योंकि मेरे पास एक है।

चोट मेकअप से छुपाती थी

इसी एपिसोड के दौरान उन्होंने खुलासा किया था कि उनकी सूंघने की शक्ति खत्म हो गई थी क्योंकि उन्हें अक्सर एक ही जगह पर पीटा जाता था। पूनम ने कहा, मेरे दिमाग की चोट ठीक नहीं हुई क्योंकि वह मुझे बार-बार एक ही जगह पर मारता रहता था। इसे छिपाने के लिए मैं मेकअप लगाती थी, ग्लॉस लगाती थी और सबके सामने हंसती थी। मैं सबके सामने बहुत अच्छा व्यवहार करती थी। मैं बार-बार एक ही जगह पर मार खाती थी।

भाई की शादी में झूमकर नाचीं करिश्मा कपूर शाहरुख खान के बेटे को गले से लगा लिया

आदर जैन और आलेखा आडवाणी की मुंबई की शादी में पूरा कपूर खानदान और शाहरुख खान के परिवार ने हिस्सा लिया। करिश्मा कपूर ने दिल खोलकर डांस किया और आर्यन खान का गर्मजोशी से स्वागत किया। करिश्मा ने शादी की तस्वीरें शेयर कीं, जबकि उनके करियर में आगामी प्रोजेक्ट्स 'मर्डर मुबारक' और 'ब्राउन' सीरीज शामिल हैं।

करिश्मा कपूर ने आदर जैन की शादी में किया डांस

करिश्मा और करीना कपूर के चचेरे भाई आदर जैन ने कुछ दिनों पहले मुंबई में अपनी गर्लफ्रेंड आलेखा आडवाणी से शादी की। पूरा कपूर खानदान उनकी शादी का जश्न मनाने के लिए एक छत के नीचे इकट्ठा हुआ। शाहरुख खान, गौरी खान, उनके बच्चे सुहाना खान और आर्यन खान भी शादी में मौजूद थे। भव्य फंक्शन के एक इनसाइड वीडियो में करिश्मा अपने 'दिल तो पागल है' के को-स्टार शाहरुख के बेटे आर्यन खान का स्वागत करती दिख रही हैं और जमकर डांस भी कर रही हैं।

वह शादी में खूब मस्ती करती दिखीं। वह अपने रिश्तेदारों के साथ थिरक रही थीं और मेहमानों से बातचीत कर रही थीं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में करिश्मा कपूर आदर और आलेखा की शादी में 'सुबह होने ना दे' गाने पर ओरी, अनीसा मल्होत्रा जैन और बारी लोगों के साथ दिल खोलकर नाचती दिख रही हैं। इस बीच, शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान वहां आ जाते हैं। आर्यन के आने पर लोलो खुश दिखीं और उन्होंने आर्यन को गले लगा लिया। करिश्मा कपूर अपने अंदाज में नाचती दिखीं। नीचे दिया गया वीडियो देखें!

करिश्मा कपूर और शाहरुख खान

जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि करिश्मा कपूर और शाहरुख खान ने 1997 की फिल्म 'दिल तो पागल है' में स्क्रीन स्पेस शेयर किया था, जिसमें माधुरी दीक्षित भी थीं। दिग्गज फिल्ममेकर यश चोपड़ा के डायरेक्शन में बनी रोमांटिक ड्रामा 27 साल बाद बड़े पर्दे पर लौटी है। यह 28 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हुई। लोलो और किंग खान ने 2002 में रिलीज हुई क्राइम ड्रामा 'शक्ति: द पावर' में भी साथ काम किया है।

करिश्मा कपूर ने दिखाई शादी से अपनी झलक

इस बीच, करिश्मा कपूर फोटो शेयर करने की होड़ में लगी हुई हैं और उन्होंने आदर और आलेखा की शादी की कुछ शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। इस खास मौके पर उन्होंने गोल्डन कांजीवरम साड़ी के साथ मेटेलिक कढ़ाई वाला ब्लाउज पहना और अपने लुक को स्टेटमेंट नवरतन और पोल्की नेकलेस, झुमके और गोल्डन क्लच के साथ पूरा किया।

15 में दिखेंगी 'इंडियन शकीरा' रोहित शेट्टी के शो में मचाएंगी धमाल

'खतरों के खिलाड़ी' 15: खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 के लिए मेकर्स कई नामी-गिरामी चेहरों को अप्रोच कर चुके हैं। हालांकि अभी तक ओरी का नाम छोड़कर कोई भी कंफर्म कंटेस्टेंट शो के लिए चुना गया है। अब एक और नाम सामने आया है।

'खतरों के खिलाड़ी' एक लोकप्रिय टीवी रियलिटी शो है। दर्शक इस सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस सीजन कौन से सेलेब्स दिल दहलाने वाली चुनौतियां से लड़ेंगे, ये देखना काफी दिलचस्प होगा। हालांकि रोहित शेट्टी के इस सीजन के आधिकारिक प्रतियोगी सूची की लिस्ट अभी तक सामने नहीं आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ओरहान अवत्रामणि उर्फ ओरी इसके पहले कंफर्म कंटेस्टेंट है। इस बीच सुनने में आ रहा है कि अब हरियाणवी और राजस्थानी डांसर गोरी नागोरी को मेकर्स ने अप्रोच किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो गोरी नागोरी को खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 का ऑफर मिला है। हालांकि उन्होंने इस शो को करने के लिए हामी भरी है या नहीं, इसकी जानकारी नहीं है। इसपर ना अभी मेकर्स और ना ही गोरी ने कुछ कहा है। फिलहाल दर्शकों को ज्यादा जानकारी के लिए इंतजार करना होगा। गोरी इंडियन शकीरा के नाम से काफी लोकप्रिय है। उनके डांस वीडियोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल होते हैं। गोरी पिछली बार सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 16 में नजर आई थी। शो में उनकी दोस्ती एमसी स्टैन, गौतम अर्चना, प्रियंका चाहर चौधरी से थी।

बिग बॉस ओटीटी 2 के विजेता एल्विश यादव के शो में भाग लेने की अफवाहें थीं। हालांकि उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में शो में जाने की बात को लेकर कहा कि, खतरों के खिलाड़ी में खतरा है, और हम खतरों से दूर रहते हैं। इससे क्लियर है कि वह इस सीजन शो में नहीं जाएंगे।

जानें किस तरह के दूध का सेवन आपके लिए है स्वास्थ्यवर्धक, डाइट में करें शामिल

दूध हमारी डाइट का एक अहम हिस्सा है, जो हमें कई जरूरी पोषक तत्व प्रदान करता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि दूध के कई प्रकार होते हैं, जिनके अपने-अपने फायदे होते हैं? इस लेख में हम आपको छह अलग-अलग प्रकार के दूध और उनके पोषण समेत स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताएंगे। इससे आप यह समझ सकेंगे कि कौन-सा दूध आपके लिए सबसे उपयुक्त है।

गाय का दूध

गाय का दूध सबसे आम और लोकप्रिय होता है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन डी और बी12 की भरपूर मात्रा होती है। यह हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है और बच्चों की वृद्धि के लिए भी फायदेमंद होता है। इसके अलावा गाय का दूध पाचन तंत्र को सुधारने में भी सहायक होता है। अगर आपको लैक्टोज इनटॉलरेंस नहीं है तो गाय का दूध आपके दैनिक आहार में शामिल करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

बकरी का दूध

बकरी का दूध उन लोगों के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है, जिन्हें गाय के दूध से एलर्जी होती है या लैक्टोज इनटॉलरेंस की समस्या होती है। इसमें प्रोटीन की मात्रा थोड़ी कम होती है लेकिन यह आसानी से पच जाता है। बकरी के दूध में कैल्शियम और विटामिन-ए भी अच्छी मात्रा में होते हैं, जो हड्डियों और आंखों की सेहत को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।

सोया दूध

सोया दूध उन लोगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है, जो शाकाहारी या वेगन डाइट फॉलो करते हैं। इसमें प्रोटीन की अच्छी मात्रा होती है और यह कोलेस्ट्रॉल मुक्त होता है, जिससे दिल की सेहत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सोया मिल्क हार्मोनल संतुलन बनाए रखने में मदद करता है क्योंकि इसमें फाइटोएस्ट्रोजन होते हैं, जो महिलाओं की सेहत पर खास असर डालते हैं।

बादाम का दूध

बादाम का दूध कम कैलोरी वाला होता है इसलिए यह वजन घटाने वालों के लिए आदर्श माना जाता है। इसमें विटामिन-ई भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो त्वचा को निखारने में मदद करता है और इसे तरोताजा बनाए रखता है। इसके अलावा बादाम के दूध में कैल्शियम और विटामिन-डी भी होते हैं, जो हड्डियों की मजबूती के लिए फायदेमंद होते हैं। यह दूध उन लोगों के लिए भी अच्छा विकल्प है, जिन्हें लैक्टोज इनटॉलरेंस की समस्या होती है।

रोज पिएं आंवले का पानी

आयुर्वेद के मुताबिक आंवले के साथ-साथ आंवले का पानी भी सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। अगर आपने रेगुलरली आंवले का पानी पीना शुरू कर दिया, तो आपको महज कुछ ही हफ्तों के अंदर खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखने को मिल जाएगा। आइए जानते हैं कि आंवला वॉटर को अपने डेली डाइट में शामिल करने के बाद आपको सेहत से जुड़ी किन समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

कम करे दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा

आंवले के पानी में पाए जाने वाले तमाम तत्व आपकी हार्ट हेल्थ को मजबूत बनाने में असरदार साबित हो सकते हैं। अगर आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं तो आपको आंवले के पानी को अपने डेली डाइट प्लान में शामिल कर लेना चाहिए। इतना ही नहीं आंवला वॉटर कोलेस्ट्रॉल के बढ़ते स्तर पर काबू पाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

मजबूत बनाएं इम्यून सिस्टम

आंवला वॉटर में विटामिन सी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इस नेचुरल ड्रिंक को पीकर आप अपनी इम्यूनिटी को काफी हद तक मजबूत बना सकते हैं। सर्दियों में बार-बार बीमार पड़ने से बचने के लिए आंवले का पानी पिया जा सकता है। आंवला वॉटर आपकी गट हेल्थ को इम्प्रूव कर पेट से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में भी कारगर साबित हो सकता है।

वेट लॉस जर्नी को आसान बनाए

अगर आप हर रोज नियम से एक गिलास आंवले का पानी पीते हैं, तो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाया जा सकता है। आंवला वॉटर आपकी बॉडी में जमा एक्स्ट्रा फैट को बर्न करने में असरदार साबित हो सकता है। आंवले का पानी पीकर आप अपने शरीर के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर सकते हैं। कुल मिलाकर औषधीय गुणों से भरपूर आंवला वॉटर आपकी सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है।

मुख्यमंत्री साय ने किया सहकारिता विभाग के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन

सहकार से समृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय में सहकारिता विभाग की गतिविधियों पर आधारित वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, सहकारिता मंत्री केदार कश्यप सहित सभी कैबिनेट मंत्रीगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सहकारिता विभाग के अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि सहकार से समृद्धि के मूलमंत्र पर आधारित यह कैलेंडर राज्य सरकार द्वारा सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों और उपलब्धियों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं में सहकारिता की भागीदारी छत्तीसगढ़ को समृद्धि और विकास के नए आयामों तक ले जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहकारिता को मिली मान्यता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2025 को 'अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष' घोषित किया गया है। इसी परिप्रेक्ष्य में, भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय द्वारा सहकार से समृद्धि अभियान के तहत विविध गतिविधियाँ पूरे छत्तीसगढ़ में आयोजित की जा रही हैं।

वार्षिक कैलेंडर में समाहित योजनाएँ एवं कार्ययोजना

सहकारिता विभाग के इस वार्षिक कैलेंडर में ग्राम, जिला एवं प्रदेश स्तर पर संचालित विभिन्न गतिविधियों को शामिल किया गया है। इन गतिविधियों में धान खरीदी एवं भंडारण प्रक्रिया का विस्तार, प्रधानमंत्री जन औषधि स्टोर एवं कॉमन सर्विस सेंटर की स्थापन, विश्व स्तर पर विशाल अन्न भंडारण के लिए नवीन गोदामों का निर्माण, किसानों को एटीएम कार्ड प्रदान करना एवं पैक्स में माइक्रो एटीएम के माध्यम से भुगतान सुविधा, नवीन पैक्स सोसाइटी, डेयरी एवं मत्स्य सहकारी समितियों का पंजीयन एवं सशक्तिकरण के सम्बन्ध में जानकारी दी गई है।

वार्षिक कैलेंडर के विमोचन के साथ राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ को सहकारिता आधारित आर्थिक विकास की दिशा में आगे ले जाने का एक और मजबूत कदम उठाया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सहकारिता विभाग को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि यह पहल राज्य के सहकारी तंत्र को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं लाभदायक बनाएगी।

इस अवसर पर मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, सहकारिता सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएँ कुलदीप शर्मा, अपर आयुक्त सहकारिता एवं प्रबंध संचालक अपेक्स बैंक एल. कांडे सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इसके अलावा, सहायक पंजीयक मनीष खोबरागड़े, अपेक्स बैंक के प्रबंधक अभिषेक तिवारी, लेखा अधिकारी प्रभाकर कांत यादव सहित विभाग के कई गणमान्य अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

कलेक्टर ने फाइलेरिया की दवा खाकर सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम का किया शुभारम्भ

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने राष्ट्रीय फाईलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डोंगरगढ़ में सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम में स्वयं फाइलेरिया की दवा खाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय फाईलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत 27 फरवरी से 13 मार्च 2025 तक डोंगरगढ़ एवं डोंगरगांव विकासखंड में 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती माताओं एवं गंभीर बीमार व्यक्ति को छोड़कर फाईलेरिया (हाथी पांव) जैसे गंभीर बीमारी से बचाव के लिए फाइलेरिया की दवा खिलाई जाएगी।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने डोंगरगढ़ एवं डोंगरगांव विकासखंड के नागरिकों से घर के सदस्यों एवं पड़ोसियों को फाइलेरिया की दवा खाने के लिए प्रेरित करने की अपील की है। उन्होंने दवा खाने से मना करने वाले परिवारों को समझाने में स्वास्थ्य कार्यकर्ता की सहायता करने कहा है। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियो, कर्मचारियों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने फाईलेरिया रोग से बचाव हेतु फाईलेरिया की दवा खाई।

इस अवसर पर डोंगरगढ़ में नव निर्वाचित नगरपालिका अध्यक्ष

रमन डोंगरे, नव निर्वाचित सरपंच ग्राम पंचायत अछोली नन्द कुमार साहू, जसमीत सिंह, अन्य जनप्रतिनिधि, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डोंगरगढ़ मनोज मरकाम, तहसीलदार डोंगरगढ़ मुकेश ठाकुर, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. बंशी लाल तुलावी, विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी पी एक्का, जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार, जिला सलाहकार संगीता पाण्डेय एवं राजेश गायकवाड, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक मुक्ता खूजूर, मलेरिया सुपरवाईजर स्वाति बक्शी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि फाईलेरिया मच्छरों के काटने से होने वाला एक संक्रामक रोग है, जिसे सामान्यत: हाथी पांव के नाम से जाना जाता है। फाईलेरिया रोग के नियंत्रण के लिए जिले में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। शासन द्वारा इस रोग से बचाव के लिए नि:शुल्क फाइलेरिया की दवा दी जा रही है।

सरकार का प्रयास 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत के युवाओं की क्षमता का दोहन करना है : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (पीआईबी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने युवाओं से वैज्ञानिक सोच विकसित करने और सरकार के प्रयासों से देश में स्थापित किए जा रहे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बुनियादी ढांचे का सर्वोत्तम उपयोग करके अग्रणी प्रौद्योगिकियों में उत्कृष्टता हासिल करने का आह्वान किया है। श्री राजनाथ सिंह ने 28 फरवरी, 2025 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के हिस्से के रूप में तेलंगाना के हैदराबाद में आयोजित दो दिवसीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्सव- विज्ञान वैभव के उद्घाटन अवसर पर यह विचार व्यक्त किए।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि युद्ध की परिस्थितियां तेजी से हार्डवेयर से सॉफ्टवेयर की ओर परिवर्तित हो रही हैं। नई तकनीकी सफलताएं सामने हैं और हमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग और क्लीन-टेक जैसी परिवर्तनकारी तकनीकों में अग्रणी भूमिका निभानी होगी। यदि भारत के पास महत्वपूर्ण तकनीकी चुनौतियों का समाधान है तो वह प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मजबूत और सुरक्षित रह सकता है। हमारे युवाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण और समालोचनात्मक सोच अपनानी चाहिए और सामान्य से आगे जाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के शब्दों को याद किया जिसमें उन्होंने कहा था, विज्ञान मानवता के लिए एक सुंदर उपहार है; हमें इसे विकृत नहीं करना चाहिए बल्कि समाज की बेहतरी के लिए इसका उपयोग करना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की राष्ट्र की सुरक्षा और संरक्षा के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की प्रतिबद्धता दोहराई और इस क्षेत्र में शिक्षा को भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं में अपार क्षमता है और सरकार का प्रयास है कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उनकी क्षमताओं का उपयोग किया जाए।

श्री राजनाथ सिंह ने नई शिक्षा नीति 2020 पर भी प्रकाश डाला जिसका उद्देश्य रचनात्मकता, समालोचनात्मक सोच और नवाचार को प्रोत्साहित करके देश में विज्ञान शिक्षा को बदलना है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना' इसी दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने इस विषय को नवाचार और वैश्विक वैज्ञानिक नेतृत्व के माध्यम से प्रगति के लिए नए भारत की आकांक्षा का प्रतिबिंब बताया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद लंबे समय से वैज्ञानिक उत्कृष्टता और तकनीकी नवाचार का केंद्र रहा है। उन्होंने विज्ञान वैभव 2025 में भाग लेने वाले युवाओं से बड़े सपने देखने और जुनून के साथ नवाचार को अपनाने का आग्रह किया।

इस आयोजन के हिस्से के रूप में, एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है, जिसमें 30,000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। 200 से अधिक प्रदर्शनी स्टॉल की विशेषता के साथ, इसने छात्रों को डीआरडीओ और अग्रणी भारतीय उद्योगों द्वारा विकसित अत्याधुनिक रक्षा और एयरोस्पेस तकनीकों को देखने का एक दुर्लभ अवसर प्रदान किया। प्रदर्शनी का उद्देश्य जिज्ञासा को जगाना, नवाचार को प्रेरित करना और युवा दिमागों को एसटीईएम क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, तकनीकी उद्यमियों की अगली पीढ़ी को बढ़ावा मिलेगा जो भारत को वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की ओर अग्रसर करेंगे।

इस कार्यक्रम में रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत, एयरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. जी. सतीश रेड्डी, डीआरडीओ के महानिदेशक एवं निदेशक, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा उद्योग जगत के प्रमुख शामिल हुए।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से कृषि क्षेत्र की साप्ताहिक समीक्षा

फसल बुआई, उपार्जन, मौसम, जलाशयों की स्थिति की जानकारी लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

ग्रीष्मकालीन बुआई जारी, 22 लाख हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र में हो चुकी है बुआई, गत वर्ष से ज्यादा

नई दिल्ली (पीआईबी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज समग्र कृषि क्षेत्र की प्रगति के संबंध में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से एक बैठक में समीक्षा की। वीसी द्वारा भोपाल से जुड़े केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कृषि भवन, नई दिल्ली में बैठक में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों से फसलों की बुआई, उपार्जन, मौसम व जलाशयों की स्थिति की जानकारी लेने के साथ ही उपज के थोक व खुदरा मूल्यों के बारे में समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण सचिव देवेश चतुर्वेदी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

विभिन्न उपज की पैदावार अच्छी होने की संभावना के मद्देनजर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसी व्यवस्था बनाएं जिससे कि किसानों को अच्छे भाव मिल सकें। शिवराज सिंह ने कहा कि अधिकारियों की सदैव यहीं मंशा रहना चाहिए कि किसानों को उनकी फसल के बेहतर दाम मिलें, इसमें कहीं कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। देश के आम बजट में की गई मखाना बोर्ड के गठन की घोषणा के क्रम में कृषि मंत्री श्री चौहान ने निर्देशित किया कि बोर्ड बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाएं, साथ ही उन्होंने मखाना उत्पादक किसानों से सुझाव लेने के निर्देश भी दिए ताकि उनके आधार पर मखाना के सभी किसानों के हितों के मद्देनजर कार्य किया जा सकें। स्वयं, श्री चौहान ने गत दिनों बिहार जाकर मखाना उत्पादन स्थल पर ही संबंधित किसानों से चर्चा की थी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह द्वारा ली गई इस साप्ताहिक समीक्षा बैठक में ग्रीष्मकालीन बुआई की प्रगति के बारे में अधिकारियों द्वारा बताया गया कि 21 फरवरी 2025 तक कुल फसल बुआई क्षेत्रफल 2024-25 में 22.317 लाख हेक्टेयर हो चुका है जो कि 2023-24 की समान अवधि तक 21.845 लाख हेक्टेयर था, यानी 0.472 लाख हेक्टेयर ज्यादा बुआई हुई है। इसमें धान का बुआई क्षेत्र गत वर्ष के 18.197 लाख हेक्टेयर की तुलना में इस साल 19.492 लाख हेक्टेयर हो चुका है, जो 1.294 लाख हेक्टेयर अधिक है। इसी तरह, अन्य फसलों का बुआई क्षेत्र लगभग सामान्य के आसपास है और बुआई निरंतर जारी है जिससे उम्मीद है कि कुल क्षेत्रफल गत वर्ष से अधिक हो सकता है।

बैठक में बताया गया कि रबी मौसम के लिए प्रमुख उत्पादक राज्यों में प्याज व आलू की बुआई की स्थिति 21 फरवरी 2025 तक गत वर्ष से अधिक है। प्याज की बुआई 10.29 लाख हेक्टेयर और आलू की बुआई 19.82 लाख हेक्टेयर में हो चुकी है जो कि क्रमश: 1.66 लाख हेक्टेयर और 0.31 लाख हेक्टेयर ज्यादा है।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन, लोगों को स्वास्थ्य संबंधी दी गई जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा बिलासपुर के द्वारा अवनीश शरण कलेक्टर एवं अध्यक्ष रेडक्रास बिलासपुर के कुशल मार्गदर्शन में जन औषधि सप्ताह के अंतर्गत दूसरे दिन प जन औषधि की सस्ती दवा के प्रति आम जनों को जागरूक करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन स्थानीय कंपनी गार्डन बिलासपुर में किया गया।

सवेरे 06:30 बजे से स्वास्थ्य परीक्षण हेतु डॉ अनिल गुप्ता सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय के साथ जिला चिकित्सालय की टीम उपस्थित थी। शिविर में 100 से

ज्यादा लोगों की बीपी शुगर जांच की गई। सिविल सर्जन डॉ अनिल गुप्ता द्वारा शिविर में आए लोगों को बताया गया कि कैसे शुगर एवं बीपी की समस्या से बचा जा सकता है साथ ही पुरे दिन कि पोषक आहार की जानकारी दी गयी। डॉ एम . ए.जीवानी नोडल ऑफिसर रेडक्रास सोसायटी एवं पूर्व कार्यकारिणी सदस्य अनिल तिवारी द्वारा लोगों स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। अमरजीत सिंह दुआ कोषाध्यक्ष रेडक्रास प्रबंध समिति, सैयद जफर अली सदस्य प्रबंध समिति, सौरभ सक्सेना जिला समन्वयक आदित्य पांडेय प्रभारी रेडक्रास एवं प्रणय मजुमदार नोडल अधिकारी जनऔषधि के द्वारा शिविर में आए सभी लोगों को पेन एवं नोट बुक वितरित किया गया। साथ ही जन औषधि की उच्च गुणवत्ता की सस्ती दवाइयों के बारे में जानकारी दी गयी। शिविर में लक्ष्मीनारायण मिश्रा, मनीष मिश्रा, सुशील राजपूत, आशीष गोविंद मिश्रा, मोहन वैष्णव, अंजू ठाकुर, दिनेश राठौर धरम लाल साहू, गीतेश्वरी चंद्रा, नेहा राय, रचना राय, ममता लहरे, सरिता साहू साथ ही रेडक्रास से समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यालय में संगठनात्मक मजबूती और नगर निगम विकास पर हुई बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय दीनदयाल कुंज में भाजपा पार्षद दल की एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई। बैठक में मुख्य अतिथि रायपुर विधायक पुरंदर मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान नगर पालिका निगम में भाजपा के महापौर एवं पार्षदों की ऐतिहासिक विजय पर उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दीं। साथ ही, उन्होंने कहा कि भाजपा को मिले जनसमर्थन और विश्वास पर खरा उतरना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देते हुए बताया कि पार्टी की नीतियों और विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सभी को समर्पित रहना होगा। उक्त बैठक में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन, भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज शर्मा, कोरबा जिला प्रभारी एवं रायपुर विधायक पुरंदर मिश्रा, जिला संगठन प्रभारी गोपाल साहू, पूर्व सांसद, बिलासपुर लखनलाल साहू, पूर्व मंत्री ननकी राम कंवर, कोरबा नगर निगम नवनिर्वाचित महापौर संजू देवी राजपूत, कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, भाजपा जिला अध्यक्ष पवन गर्ग, भाजपा जिला महामंत्री संतोष देवांगन, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक चावलानी, कोरबा विधानसभा के मंडल अध्यक्षगण, नगर निगम के सभी भाजपा पार्षदगण उपस्थित रहे। साथ ही बैठक में उपस्थित भाजपा के सभी विजयी पार्षदगण, वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं मंडल अध्यक्ष भी उपस्थित रहे उपस्थित। बैठक में कोरबा विधानसभा के सभी मंडल अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। उन्होंने नगर निगम के विकास कार्यों को गति देने और भाजपा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श किया।

खास खबर

शादी का वादा कर महिला स्टेशन मास्टर के साथ बलात्कार

बिलासपुर। नागपुर के रहने वाले रेलवे स्टेशन मास्टर ने शादी का वादा कर महिला स्टेशन मास्टर के साथ बलात्कार करने और फिर इनकार करने के मामले में तारबाहर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए उसे पकडने के लिए बिलासपुर पुलिस की तीन सदस्यीय टीम नागपुर पहुंची, लेकिन वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया।

तारबाहर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रायगढ़ क्षेत्र की महिला स्टेशन मास्टर ने शुक्रवार को थाने में शिकायत दर्ज कराई कि नागपुर निवासी रेलवे स्टेशन मास्टर अनमोल घनश्याम वाकोडीकर से उनकी पहचान हुई, जो जल्द ही प्रेम संबंध में बदल गई। बातचीत के दौरान वाकोडीकर ने उन्हें मिलने के लिए बिलासपुर बुलाया। दोनों सीएमडी चौक स्थित एक निजी होटल में ठहरे, जहां आरोपी ने शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाया। बाद में जब महिला ने शादी का दबाव डाला, तो वाकोडीकर ने इनकार कर दिया, जिससे आहत होकर पीडिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामले को गंभीरता से लेते हुए टीआई कृष्णचंद सिदार ने तीन पुलिसकर्मियों की टीम को आरोपी की गिरफ्तारी के लिए नागपुर भेजा। हालांकि, रेलवे कर्मचारी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया।

रास्ता बनाने पर विवाद, पड़ोसी ने परिवार के साथ मिलकर कर दी किसान की हत्या

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर में कब्जे की जमीन पर रास्ता बनाने के विवाद में पड़ोसी ने परिवार के साथ मिलकर किसान की हत्या कर दी। किसान से मारपीट कर उसे सीने में सब्बल से वार किया गया। मौके पर ही किसान की मौत हो गई। इस पूरी घटना का एक वीडियो भी सामने आया है जो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना बिल्हा थाना क्षेत्र के उड़गन गांव की है। यहां रहने वाले किसान मृतक खेमराज बंजारे (27) की पड़ोसी श्याम अंचल व उसके परिवार के चार लोगों ने मिलकर कर दी है। बताया जा रहा है कि श्याम कब्जे की जमीन पर रास्ता बना रहा है। रास्ते को ऊंचा करने के लिए उसने मिट्टी और पत्थर डाल रखा था। उसके बिछाए पत्थरों को किसी ने हटा दिया तो रविवार सुबह से ही वह बौखलाया हुआ था और गाली गलौच कर रहा था। इस दौरान पड़ोसी किसी खेमराज वहां पहुंचा।

उसने पूछ लिया कि वह किसे गाली दे रहा है। यह सुनने के बाद श्याम घर से लाठी व सब्बल ले आया। इस दौरान उसके बेटे लक्ष्मण और मुकेश अंचल भी वहां आ गए। इसके बार रास्ते का पत्थर हटाने का दोष मड़ते हुए खेमराज पर श्याम ने हाथ में रखे सब्बल से वार किया। इससे वह जमीन पर गिर गया। इसके बाद लक्ष्मण उसे लाठी से मारने लगा। फिर मुकेश ने बड़े पत्थर से खेमराज पर हमला कर दिया। इस हमले के बीच श्याम अंचल की पत्नी सीता अंचल भी पहुंची और बजाय विवाद रोकने के बजाय वह भी साथ देने लगी। इसके बाद खून से लथपथ खेमराज को छोड़कर सभी चले गए। ताबड़तोड़ वार से खेमराज की मौत हो गई। इसके बाद मृतक खेमराज के घर वाले भी बाहर निकले। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ के बाद श्याम अंचल, उसके बेटे लक्ष्मण, मुकेश और पत्नी सीताबाई को गिरफ्तार कर लिया। वहीं इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है जो कि सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

सुकमा मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की हुई पहचान पांच-पांच लाख रुपए के इनामी थे दोनों नक्सली

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। शनिवार एक मार्च को सुकमा के गुंडराजगुडेम मुठभेड़ में मारे गयें माओवादियों की पहचान हो गई है। दोनों नक्सलियों की पहचान पामेड़ एरिया कमेटी में सक्रिय महिला माओवादी सोड़ी लिंगे एसीएम व पुरूष माओवादी पोड़ियाम हड़मा एसीएम कैडर के रूप में हुई। मारे गयें माओवादियों पर पांच-पांच लाख यानी पूरे 10 लाश का इनाम घोषित था। मौके से जवानों ने 1 नग बीजीएल लांचर, 01 नग 12 बोर रायफल सहित भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, नक्सल साहित्य एवं अन्य दैनिक उपयोगी सामान बरामद किया है।

पुलिस अधीक्षक सुकमा किरण चव्हाण द्वारा बताया गया कि नक्सल विरोधी सर्च अभियान में दिनांक 28 फरवरी 2025 को जिला सुकमा डीआरजी एवं 203 कोबरा की संयुक्त पार्टी शीर्ष माओवादियों की उपस्थिति की सूचना पर गुंडराजगुड़ेम क्षेत्र में रवाना हुई थी। अभियान के दौरान 1 मार्च शनिवार की सुबह लगभग 9 बजे गुंडराजगुडेम के मध्य जंगल पहाड़ में सुकमा डीआरजी टीम एवं सशस्त्र माओवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई, जो रूक-रूक कर चलती रही।

मुठभेड़ समाप्ति उपरांत सभी टीमों द्वारा सर्च करने पर 1 महिला व 1 पुरूष हार्डकोर माओवादियों का शव हथियार सामग्री सहित बरामद हुआ। इस मुठभेड़ में सोड़ी लिंगे एसीएम (एरिया पडियारो पोल्लो अध्यक्ष) निवासी पश्चिम बस्तर बीजापुर क्षेत्र, ईनामी 05 लाख तथा पोड़ियाम हड़मा एसीएम (जनताना सरकार अध्यक्ष) निवासी पश्चिम बस्तर बीजापुर, ईनामी 5 लाख रुपए मारे गए। मौके से सुरक्षाबलों ने 1 नग बीजीएल लांचर, 1 नग 12 बोर बंदूक, 5 नग बीजीएल सेल, 5 नग 12 बोर रायफल के जिंदा राउंड, 1 नग वायरलेस सेट, 4 नग बीजीएल कॉटीज व भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, नक्सल साहित्य, दैनिक उपयोगी सामान बरामद किया है।

बस्तर आईजी सुन्दरराज पी ने बताया कि बस्तर पुलिस एवं क्षेत्र में तैनात डीआरजी, बस्तर फाइटर्स, एसटीएफ सीएएफ, सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स द्वारा लोकतंत्र की रक्षा व क्षेत्र की शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु पूर्ण कर्तव्यपरायणता के साथ अपनी जान की परवाह न करते हुये लगातार कार्य किया जा रहा है। आने वाले दिनों में इस दिशा में हमारा संकल्प, प्रयास और भी ज्यादा मजबूत होगा।

रायगढ़ पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में किया अपराध दर्ज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में दो अलग-अलग मारपीट का मामला सामने आया है। जिसमें कबाड़ बिनने वाले ने युवक पर ब्लेड से हमला कर दिया, तो दूसरे मामले में गांव के पड़ोसी ने ग्रामीण के पीठ पर टांगी से वार कर दिया। घटना के बाद दोनों ही मामलों में संबंधित पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। जिसमें अतरमुड़ा जिला पंचायत के पीछे रहने वाला भगवान दास 40 साल ने रिपोर्ट दर्ज कराया है।

इसी दौरान कबाड़ बिनने वाला भगत नामक युवक उसके पास पहुंचा और बिना कारण उसे थप्पड़ जड़ दिया। इससे जब भगवान दास ने उसका विरोध किया, तो भगत ने गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर अपने पास रखे ब्लेड से उसके चेहरे पर वार कर दिया। बताया जा रहा है कि कबाड़ बीनने वाले ने नशे में घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद घायल किसी तरह अपने घर पहुंचा, जिसे उसके परिजनों ने ईलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के बाद कल घायल ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया। जहां पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध कायम कर मामले को विवेचना में लिया है।

समाजसेवी ममता शर्मा व उसके पति संजय शर्मा पर धोखाधड़ी का केस दर्ज, गाड़ी छीनने का भी आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के समाजसेवी महिला ममता शर्मा व उसके पति संजय शर्मा के खिलाफ धोखाधड़ी, गाली-गलौज, धमकी और गाड़ी छीनने का मामला सामने आया है। इस मामले में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। हालांकि दंपति की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि जब पुलिस इन्हें गिरफ्तार करने पहुंची तो दोनों फरार मिले।

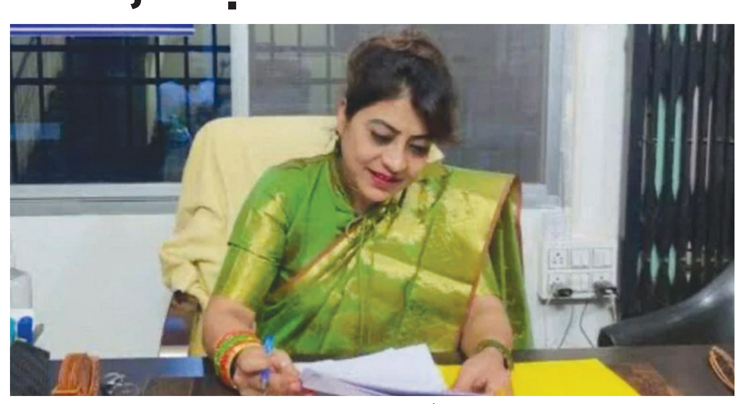

मिली जानकारी के अनुसार अनिल कुमार साहू, निवासी ग्राम बरमपुर, थाना खड़गवां, ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। अनिल साहू के मुताबिक, वर्ष 2021 में ममता शर्मा ने उसकी पत्नी पुनीता साहू की जमानत दिलाने के नाम पर उसे झांसे में लिया और एक स्टांप पेपर पर हस्ताक्षर करवा लिए। इसके बाद, ममता और संजय शर्मा ने अनिल की होंडा सिटी कार (क्रमांक सीजी-16 सीजे 2795) और पिकअप (क्रमांक सीजी-16 ए 2496) को धोखाधड़ी से अपने कब्जे में ले लिया। जब अनिल ने अपनी गाड़ी वापस मांगी तो आरोपियों ने उसे धमकाया, गालियां दीं और जान से मारने की चेतावनी तक दे डाली।

पीड़ित ने इस पूरे मामले की शिकायत पुलिस से की, जिसके बाद जांच में आरोप सही पाए गए। गवाहों ने भी पुलिस के सामने इस धोखाधड़ी की पुष्टि की है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ममता शर्मा और संजय शर्मा को गिरफ्तार करने के लिए उनके रायपुर स्थित आवास पर दबिश दी, लेकिन दंपति फरार हो चुके हैं। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। बता दें ममता शर्मा खुद को समाजसेवी बताती हैं और लोगों की मदद का दावा करती थी। रायपुर में एक संस्था भी चलाती हैं जिसके द्वारा लोगों की मदद करने का दावा किया जाता है।

शिवनाथ नदी के एनिकट में मिला युवक का शव आत्महत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शिवनाथ नदी के एनिकट में दुर्ग निगम के भाजपा पार्षद के भाई का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। रविवार दोपहर बाद शिवनाथ नदी के एनिकट में शव देखा गया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मछुवारों की सहायता से शव को बाहर निकाला गया। इसके बाद पुलिस ने शव की शिनाख्त शुभम महोबिया पिता रामनारायण महोबिया (26 साल) निवासी मैथिल पारा दिगंबर जैन मंदिर रोड दुर्ग के रूप में किया गया। शुभम महाबिया दुर्ग निगम के वार्ड 32 ब्राह्मणपारा से जीते बीजेपी पार्षद जितेंद्र महोबिया का चचेरा भाई था।

शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने आशंका जताई है कि शुभम संभवतः शुभम महोबिया ने सुसाइड किया है। यह भी हो सकता है कि यह कोई हादसा हो। शरीर में किसी भी प्रकार के चोट के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस का कहना है कि युवक ने शनिवार रात को नदी में छलांग लगाई होगी। रात भर पानी में रहने से शव रविवार दोपहर तक पानी के ऊपर आ गया और लोगों ने ने उसे देखा। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

थार चालक ने नशे में कई वाहनों को मारी ठोकर

कोरबा। ट्रांसपोर्ट नगर स्थित प्रेस कॉम्प्लेक्स के पास एक थार चालक ने नशे में कई वाहनों को टक्कर मार दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। थार चालक ने पहले एक ठेले और पानी की टंकी को टक्कर मारी। इसके बाद तेज रफ्तार में भागते हुए एक बाइक को भी टक्कर मार दी। हादसे में कई लोग घायल हुए, जिन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वाहन चालक लापरवाही से गाड़ी चला रहा था और टक्कर के बाद तेजी से भाग निकला। हादसे के दौरान कई दुकान के बोर्ड और वाहनों को भी नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। वहीं स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। सीएसईसबी पुलिस ने वाहन नंबर के आधार पर जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश जारी है। घायलों की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। बताया जा रहा है कि यह करतूत किसी रसूखदार की है। इससे पहले भी कई बार सड़क पर तेज रफ्तार से वाहन चलाते देखा जा चुका है। इस बार उसने नशे की हालत में घटना को अंजाम दिया है।

युवक पर जानलेवा हमला, 17 बार चाकू से गोदा, हालत गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर चाचा-भतीजे समेत कई लोगों ने जानलेवा हमला किया। आरोपियों ने युवक को 17 बार चाकू से गोदा। युवक की हालत गंभीर है। यह घटना थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र के नयापारा वार्ड के पास की है। घटना युवक के घर से महज 20 मीटर की दूरी पर हुई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी गिन्नी सरदार को गिरफ्तार कर लिया है। इस वारदात में चाचा-भतीजा और दो भाइयों समेत कई लोग शामिल हैं। पुलिस और साइबर टीम अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

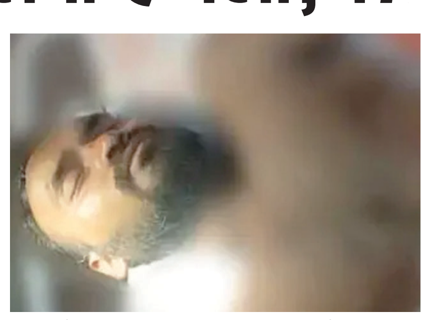

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार धमतरी जिले के थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र के नयापारा वार्ड के पास चाकूबाजी की घटना हुई है। नयापारा वार्ड से करीब 200 मीटर दूर रविवार की सुबह 9:30 बजे शिव चौक बनियापारा से मोटरसाइकिल पर ललित मिश्रा और राजकुमार यादव बाइक से जा रहे थे। तभी गिन्नी सरदार, जग्गू के चाचा और जग्गू, निर्भय उर्फ आलू का छोटा भाई शुभम सहित अन्य साथियों ने दोनों बाइक सवार को रास्ते में घेर लिया। इसी दौरान बदमाशों ने राजकुमार के साथ मारपीट करने लगे। इसके बाद उसपर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। घटना के बाद बदमाश वहां से फरार हो गए। इधर, घायल राजकुमार को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। लेकिन हालत गंभीर होने की वजह से उसे रायपुर रेफर कर दिया गया।

डॉक्टरों ने बताया कि घायल राजकुमार को करीब 17 बार चाकू से गोदा गया है, जिससे उसके पेट, सीना और हाथ में चोट आई है। वहीं सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। इस मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया और आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। थाना सिटी कोतवाली प्रभारी राजेश मरई ने बताया कि पुराने विवाद को लेकर कुछ बदमाशों ने राजकुमार यादव के साथ मारपीट की और धारदार हथियार से राजकुमार को घायल कर दिया है। घायल राजकुमार को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भेजा गया था। वहां से उसे रायपुर रेफर कर दिया गया है। पीड़ित के मुताबिक हमला करने वालों में चार आरोपियों का नाम सामने आया है। इसमें मुख्य आरोपी गिन्नी सरदार को पकड़ लिया गया है। अन्य की तलाश में साइबर टीम और पुलिस जुटी हुई है। आरोपी गिन्नी सरदार इससे पहले आर्म्स एक्ट में जेल जा चुका है। जो 15-20 दिन पहले जेल से बाहर आया है। पुलिस एफआईआर कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

हेरोइन और अफीम के साथ आरोपी दविंदर सिंह गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पुलिस को नशे के खिलाफ अभियान में बड़ी सफलता मिली है। थाना कबीर नगर क्षेत्रांतर्गत रिंग रोड गेट नंबर 2 के पास पुलिस ने दविंदर सिंह नामक आरोपी को हेरोइन (चिट्टा) और अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 14.70 ग्राम हेरोइन और 12.75 ग्राम अफीम जब्त की है, जिसकी कुल कीमत लगभग 2,37,760 रुपये आंकी गई है।

पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के दिशा-निर्देश पर रायपुर पुलिस नशे के खिलाफ विशेष अभियान चला रही है। इस अभियान के तहत पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट को नशे के कारोबारियों की पहचान कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसी कड़ी में, 1 मार्च को थाना कबीर नगर पुलिस को सूचना मिली कि रिंग रोड नंबर 2 के पास एक व्यक्ति प्रतिबंधित मादक पदार्थ लेकर बेचने की फिराक में है। इस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम दौलत राम पोर्ते और नगर पुलिस अधीक्षक आजाद चौक अमन कुमार झा ने थाना प्रभारी कबीर नगर को कार्रवाई के निर्देश दिए। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी दीपेश जायसवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को पकड़ लिया।

गिरफ्तार आरोपी दविंदर सिंह (52) ग्राम पदरी, जिला अमृतसर, पंजाब का निवासी है और वर्तमान में वीर सावरकर नगर, हीरापुर, रायपुर में रह रहा था। जब पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसके कुर्ते की जेब से दो पन्नियों में 14.70 ग्राम हेरोइन और 12.75 ग्राम अफीम बरामद हुई। पूछताछ के दौरान आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका और पुलिस को गुमराह करने का प्रयास करता रहा। आरोपी के खिलाफ थाना कबीर नगर में अपराध क्रमांक 27/25 धारा 18(A), 21(B) NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी दीपेश जायसवाल, सहायक उपनिरीक्षक गौरी शंकर सिंह, प्रधान आरक्षक 1747 भारद्वाज, आरक्षक 658 पिलेश्वर प्रसाद, आरक्षक 994 अशवन दास और आरक्षक 1103 राकेश चंद्राकर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच जारी है। रायपुर पुलिस नशे के काले कारोबार पर सख्ती से लगाम लगाने के लिए लगातार अभियान चला रही है।

दल्लीराजहरा बस स्टैंड में खड़ी बस में लगी आग

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। बालोद जिले के दल्लीराजहरा बस स्टैंड पर शनिवार रात दुर्ग से बारात लेकर आई बस में अचानक आग लग गई। जिससे बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। इस दौरान बस के अंदर सो रहे ड्राइवर को इमरजेंसी गेट से बाहर निकलना पड़ा। बताया जा रहा है कि, घटना रात करीब 3 बजे की है। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास खड़ी अन्य बसों को तुरंत हटाया गया। फिर भी एक जागीरदार की बस को नुकसान हुआ है। फिलहाल दमकल वाहन की मदद से आग बुझा लिया गया है। बस ड्राइवर लिकेश यादव ने बताया कि, वो 52 सीटर मनीष ट्रेवल्स की बस लेकर दुर्ग से दल्लीराजहरा पहुंचा था।

बस में सेंसर लगा हुआ था, जो किसी हादसे के दौरान दरवाजे को लॉक कर देता है। आग लगने के कारण यह लॉक हो गया। जिससे इमरजेंसी गेट से बाहर निकलना पड़ा। दल्लीराजहरा टीआई सुनील तुर्की ने बताया कि, रात 12 बजे से लेकर सुबह 3.30 बजे तक सभी सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही। लेकिन शुरुआती जांच में वाहन के आसपास कोई संदिग्ध हलचल नजर नहीं आई। अब और भी कैमरों की विस्तार से जांच की जा रही है। आशंका है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। आग लगने से बस पूरी तरह जल गई है। जिससे करीब 20 लाख से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

सीएम साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठकः आबाकरी नीति का अनुमोदन, पिछले साल की तरह संचालित होंगी दुकानें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में रविवार को यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ आबकारी नीति वित्तीय वर्ष 2025-26 का अनुमोदन किया गया। साथ ही मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ लोक परिसर (बेदखली) (संशोधन) विधेयक-2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। कैबिनेट की बैठक में अंग्रेजी शराब पर लगने वाला 9.5% आबकारी शुल्क खत्म करने का निर्णय लिया गया। इससे हर बोतल पर 40 रुपए से 3 हजार रुपए तक दाम घट जाएंगे। रविवार को मंत्रालय में हुई कैबिनेट बैठक में इसके अलावा कुछ विधेयकों को भी मंजूरी दी गई।

बैठक के बाद प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आबकारी विभाग को लेकर किए गए फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में ये फैसला किया गया है। मंत्री परिषद् के निर्णय के अनुसार वर्ष 2025-26 की आबकारी नीति वर्ष 2024-25 की भांति होगी। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 674 मदिरा दुकानें तथा आवश्यकता अनुसार प्रीमियम मदिरा दुकानें संचालित करने का निर्णय भी यथावत रखा गया है।

देशी मदिरा की आपूर्ति पूर्ववत् रेट ऑफर प्रभावी रहेगा। विदेशी मदिरा थोक क्रय, वितरण छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा होगा। मदिरा पर लागू अधोसंरचना विकास शुल्क यथावत रहेगा। आबकारी विभाग की सचिव आर संगीता ने कहा कि अतिरिक्त आबकारी शुल्क, जो छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन के मदिरा क्रय के दर पर 9.5% राशि के बराबर होता है, इसे खत्म किया गया है। इससे अंग्रेजी शराब जो मीडियम रेंज और हाई रेंज की हैं, उनके दाम कम होंगे। इसके चलते दूसरे स्टेट से छत्तीसगढ़ में होने वाली शराब तस्करी पर रोक लगेगी। पहले दूसरे राज्यों की शराब सस्ती होने के चलते यहां तस्करी होती थी।

मंत्रिपरिषद द्वारा ईज ऑफ डुइंग बिजनेस के हित को देखते हुए ई-प्रोक्योरमेंट के लिए गठित सशक्त समिति को समाप्त करने का निर्णय लिया। चूंकि वर्तमान में पीएफआईसी द्वारा 100 करोड़ रुपए से उपर की परियोजनाएं स्वीकृत किए जा रहे हैं। बड़ी आईटी परियोजनाओं के संबंध में पहले से सशक्त समिति अनुमोदन की अनिवार्यता होने से अनुमोदन प्रक्रिया का डुप्लिकेशन होता है। इस कारण सशक्त समिति को समाप्त करने का निर्णय लिया।

मंत्री परिषद् के अन्य महत्वपूर्ण निर्णय

छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण और उपभोक्ता मामलों की समयबद्ध सुनवाई के लिए सदस्य का एक नवीन पद सृजित करने का निर्णय लिया गया।

खरीफ विपणन वर्ष 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 के समर्थन मूल्य योजना में धान एवं चावल परिवहन की दर के लिए गठित राज्य स्तरीय समिति की अनुशंसा दर को स्वीकृत करने का निर्णय लिया गया।

छत्तीसगढ़ श्रम विधियां संशोधन एवं विविध प्रकीर्ण उपबंध विधेयक-2025 के माध्यम से कारखाना अधिनियम-1948, औद्योगिक विवाद अधिनियम-1947 तथा ट्रेड यूनियन अधिनियम-1976 में संशोधन के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। ? रजिस्ट्रीकरण अधिनियम-1908 (छत्तीसगढ़ संशोधन) विधेयक-2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

रजिस्ट्री ऑफिसों के नियमित रूप से संचालन के लिए वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग में उप पंजीयक के पदोन्नति श्रेणी के रिक्त 9 पदों की पूर्ति के लिए पांच वर्ष की अर्हकारी सेवा में एक बार के लिए छूट प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

राज्य में 01 नवम्बर 2024 से औद्योगिक विकास नीति 2024-30 प्रभावशील है। इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन भण्डार क्रय नियम-2002 में प्रस्तावित संशोधन के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

छत्तीसगढ़ सरकार एवं व्यक्ति विकास केन्द्र इंडिया (द आर्ट ऑफ लिविंग) के मध्य आजीविका सृजन एवं ग्रामीण छत्तीसगढ़ का कल्याण विषयक एमओयू के लिए राज्य सरकार के सुशासन एवं अभिसरण विभाग को अधिकृत किया गया।

अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन 2025ः मुख्यमंत्री साय ने कहा- बस्तर में अमन, चैन और खुशहाली का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि अबूझमाड़ पीस हाफमैराथन सिर्फएक खेल आयोजन नहीं है, बल्कि यह बस्तर की समृद्ध संस्कृति, शांति और विकास का प्रतीक बन चुका है। इस प्रतिष्ठित मैराथन में देश-विदेश के हजारों धावकों ने भाग लिया और अमन, चैन और खुशहाली का स्पष्ट संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल क्षेत्रीय खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देता है, बल्कि सामाजिक समरसता और सौहार्द को भी मजबूत करता है।

मुख्यमंत्री साय ने इस आयोजन को बस्तर क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से बस्तर में शांति और विकास की नई राह खुली है।इससे पहले, बस्तर ओलंपिक में भी 1 लाख 65 हजार से अधिक प्रतिभागियों की ऐतिहासिक भागीदारी देखी गई थी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि बस्तर क्षेत्र अब नई संभावनाओं और उपलब्धियों की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार क्षेत्रीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है और यह आयोजन उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि खेल और विकास के माध्यम से बस्तर क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। अबूझमाड़ पीस हाफमैराथन न केवल एक खेल आयोजन है, बल्कि यह बस्तर में शांति और सद्भाव के संदेश को भी मजबूती प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में इस आयोजन को और भव्य बनाया जाएगा ताकि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बस्तर की पहचान बने। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन न केवल खेल के प्रति जागरूकता को बढ़ाता है, बल्कि स्थानीय युवाओं को खेल के माध्यम से नए अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बस्तर की सकारात्मक छवि को स्थापित करने में सहायक होगा। मुख्यमंत्री ने इस भव्य आयोजन में भाग लेने वाले सभी धावकों को शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हजारों धावकों की ऐतिहासिक भागीदारी

नारायणपुर जिले में आयोजित अबूझमाड़ पीस हाफमैराथन 2025 में 11 हजार से अधिक धावकों ने भाग लिया, जिसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय धावकों की शानदार प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। इस मैराथन में उत्तर प्रदेश के अक्षय कुमार ने पुरुष वर्ग में और इथियोपिया की हिवेत जेब्रीवाहिद ने महिला वर्ग में बाजी मारी। पुरुष 21 किमी वर्ग में अक्षय कुमार (उत्तर प्रदेश) ने 01 घंटा 02 मिनट 15 सेकंड में दौड़ पूरी कर पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि महिला 21 किमी वर्ग में इथियोपिया की हिवेत जेब्रीवाहिद ने 01 घंटा 13 मिनट 01 सेकंड में दौड़ पूरी कर जीत दर्ज की। 10 किमी और 5 किमी वर्ग में भी रोमांचक प्रतिस्पर्धा रही, जहां उत्तर प्रदेश की अमृता पटेल और सूरजपुर की सोनिका राजवाड़े ने क्रमशः 10 किमी और 5 किमी महिला वर्ग में पहला स्थान प्राप्त किया। पुरुष 10 किमी वर्ग में उत्तर प्रदेश के मोनू कुमार और 5 किमी वर्ग में स्थानीय धावकों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

विजेताओं को मिले आकर्षक पुरस्कार और सम्मान

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त विजेताओं को 1.5 लाख रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त विजेताओं को 1 लाख रुपये और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को 75 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। शीर्ष 10 स्थान प्राप्त करने वालों को भी पुरस्कार दिया गया। स्थानीय प्रतिभाओं को भी 5-5 हजार रुपये की नकद राशि देकर सम्मानित किया गया। मैराथन का शुभारंभ संसदीय कार्य, वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप, सांसद महेश कश्यप और धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने किया। कार्यक्रम में बस्तर आईजी सुंदरराज पी, कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई, वरिष्ठ अधिकारीगण, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं हजारों दर्शक उपस्थित थे।

नगर निगम अंबिकापुर के नवनिर्वाचित महापौर एवं पार्षदों ने ली शपथ, सीएम साय बोले- लोकतंत्र के नवयुग का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। नगर पालिक निगम अंबिकापुर के नवनिर्वाचित महापौर एवं पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को अंबिकापुर में पीजी कॉलेज हॉकी स्टेडियम में संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की उपस्थिति में कलेक्टर विलास भोसकर ने महापौर मंजूषा भगत और पार्षदों को 8-8 के समूह में शपथ दिलाई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नगर निगम अंबिकापुर का यह शपथ ग्रहण समारोह जनता के विश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों और नगर के विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। नगर सरकार 'अटल विश्वास पत्र' में किए गए सभी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ महापौर और पार्षदों को चुना है, वे उस पर खरा उतरेंगे। उन्होंने कहा कि अंबिकापुर को स्वच्छ, स्मार्ट और समृद्ध नगर बनाने के लिए सभी को एकजुट होकर काम करना होगा।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए नगर के विकास में पारदर्शिता और प्रभावी प्रशासन पर जोर दिया। इस अवसर पर कृषि मंत्री राम विचार नेताम, सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पाली, छुरी, बांकीमोंगरा और दीपका में अध्यक्ष सहित पार्षदों ने ली शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय निकाय निर्वाचन अंतर्गत नव निर्वाचित अध्यक्ष और पार्षदों ने आज उद्योग,वाणिज्य एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं विधायक श्री प्रेमचंद पटेल की उपस्थिति में शपथ ली।

कोरबा जिले के नगर पंचायत पाली में एसडीएम सीमा पात्रे ने नव निर्वाचित अध्यक्ष अजय जायसवाल और पार्षदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नगर पंचायत छुरी में पद्मिनी प्रीतम देवांगन और पार्षदों को एसडीएम कटघोरा रोहित सिंह ने शपथ दिलाई। नगर पालिका परिषद बांकीमोंगरा में नवनिर्वाचित अध्यक्ष सोनी झा, दीपका में अध्यक्ष राजेन्द्र राजपूत और पार्षदों को एसडीएम कटघोरा रोहित सिंह ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इस दौरान नवनिर्वाचित अध्यक्षों और पार्षदों ने उद्योग मंत्री देवांगन से आशीर्वाद प्राप्त किया। उद्योग मंत्री देवांगन ने सभी नवनिर्वाचित अध्यक्षों और पार्षदों को बधाई तथा शुभकामनाएं दी। मंत्री देवांगन ने इस अवसर पर कहा कि ट्रिपल इंजन की सरकार बनने के साथ ही आने वाले दिनों में निकायों के अंतर्गत वार्डों में भी समुचित विकास नजर आएगी। मंत्री देवांगन ने सभी की सहभागिता से गाँव से लेकर शहर तक विकास की गंगा बहाने की बात कही। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जन प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियों का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, कांटाबेल विकासखंड मनोरा, जिला जशपुर संजय कुमार पटेल विकास खंड शिक्षा अधिकारी मनोरा के मार्गदर्शन में मनोरा शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कांटाबेल में विगत दिवस राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय के प्रधान पाठक मंगल देव तिर्की ने अपने स्वागत संबोधन में विज्ञान दिवस के महत्व को रेखांकित किया और विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच विकसित करने हेतु प्रेरित किया।

इसके पश्चात विज्ञान शिक्षक ओमप्रकाश चौधरी ने विभिन्न रोचक वैज्ञानिक प्रयोगों का प्रदर्शन कर बच्चों को विज्ञान की ओर आकर्षित किया। इन प्रयोगों में बिना बाहरी हवा के गुब्बारा फूलना, नॉन-न्यूटोनियन फ्लूड, उत्प्लावन, सघन और विरल द्रव का प्रभाव आदि शामिल थे। इन अद्भुत प्रयोगों ने विद्यार्थियों को चकित कर दिया और उनके मन में विज्ञान के प्रति रुचि जागृत की। अपने संबोधन में विज्ञान के महत्व और दैनिक जीवन में इसके अनुप्रयोगों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। विजेता प्रतिभागियों की सूची इस प्रकार है निबंध लेखन प्रतियोगिता प्रथम स्थान - सृष्टि बाई द्वितीय स्थान - आशिका मिंज तृतीय स्थान - आलोक प्रधान चित्रकला प्रतियोगिता प्रथम स्थान - आलोक प्रधान द्वितीय स्थान - आशिका मिंज, बजरंग मोहक बैरागी, अरुणा सिंह तृतीय स्थान - भागवत बैरागी क्विज प्रतियोगिता प्रथम स्थान - प्रणिता इंदुवार द्वितीय स्थान - आलोक प्रधान तृतीय स्थान आशिका मिंज इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकों सुधा तिर्की, परमजीत कुमार बघेल एवं देवेंद्र कुमार साहू का विशेष सहयोग रहा।

वैदिक मंत्रोच्चारण, शंखनाद के साथ अध्यक्ष और पार्षदों ने ली शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कवर्धा नगर पालिका के नवनिर्वाचित अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी सहित पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह अत्यंत भव्य और अनोखे अंदाज में संपन्न हुआ। कबीरधाम जिले के सभी प्रमुख मंदिरों के पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण और शंखनाद के साथ शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष और पार्षदों ने ईश्वर की शपथ लेकर अपने पद और गोपनीयता की शपथ ग्रहण की।

इस अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद संतोष पांडेय और विशेष रूप से आमंत्रित राजीव लोचन महाराज उपस्थित रहे। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने अध्यक्ष सहित सभी पार्षदों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर अतिथियों ने सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं दीं। समारोह में पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, पूर्व विधायक अशोक साहू, जिला पंचायत सदस्य रामकुमार भट्ट, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल ठाकुर समेत अनेक नागरिक उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण के उपरांत मीडिया से चर्चा करते हुए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी की कार्यशैली और जनसेवा के प्रति उनके समर्पण की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि चंद्रवंशी न केवल एक जननेता हैं, बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत भी हैं। उन्होंने चुनाव जीतने के बाद भी जनता के बीच रहकर कार्य किया है। शपथ ग्रहण के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि उनकी प्राथमिकता शहर को स्वच्छ, सुंदर और विकसित बनाना है।

उन्होंने कहा कि वे उपमुख्यमंत्री शर्मा के विजन को साकार करने के लिए पूरी नगर पालिका टीम के साथ मिलकर कार्य करेंगे। उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि उनकी मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाएगी और शहरी क्षेत्र में आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ किया जाएगा। शपथ ग्रहण समारोह में छन्नू निर्मलकर और उनके साथियों द्वारा भजन और देशभक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुति दी गई, जिसने समूचे वातावरण को आध्यात्मिक और देशभक्ति की भावना से भर दिया।

इन प्रस्तुतियों ने समारोह को और भी गरिमामय बना दिया।समारोह में एक सामाजिक पहल के तहत निःशुल्क दिव्यांग सेवा शिविर के ब्रोशर का विमोचन भी किया गया। उपमुख्यमंत्री शर्मा, सांसद पांडेय और अध्यक्ष चंद्रवंशी ने संयुक्त रूप से इस ब्रोशर का विमोचन किया। यह शिविर दिव्यांगजनों को आवश्यक चिकित्सा सहायता एवं उपकरण प्रदान करने के लिए आयोजित किया जाएगा। इस भव्य आयोजन ने कवर्धा नगर के नागरिकों को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की, जिससे शहर के समुचित विकास का संकल्प और मजबूत हुआ।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950